YouTube Subscribe Amar Bhaskar News | @amarbhashkarnews | Amar bhashkar

हिन्दी दैनिक

अमर भास्कर

ज़िद सच की

उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, मध्यप्रदेश, झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़ एवं उत्तराखंड में प्रसारित

संसद में पुरानी पेंशन और बेरोजगारी का मुद्दा उठाया...०1

Email- amarbhashkar21@gmail.com, www.amarbhashkar.in

कमला हेरिस ने प्रचार के लिए जुटाई करोड़ों की रकम.....०6

वर्ष: ०2 अंक: 18 | बदायूं, शुक्रवार 26 जुलाई 2024 | पृष्ठ- ०6 | मूल्य- 4.०० रूपये

हाथरस कांड का प्रभाव: बड़े आयोजनों में

भीड़ प्रबंधन और पुलिस की तैनाती की एसओपी जारी

अमर भास्कर, ब्यूरो

लखनऊ। हाथरस कांड के बाद बड़े आयोजनों में भीड़ प्रबंधन और पुलिस बल की तैनाती के लिए डीजीपी प्रशांत कुमार ने मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है। इसके मुताबिक अब कार्यक्रम में खतरे का आकलन करने के बाद ही आयोजन की अनुमति दी जाएगी। वरिष्ठ अधिकारियों को खुद कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करना होगा। श्रेणीबद्ध सुरक्षा प्राप्त तथा विशिष्ट अतिथियों के आवागमन का मार्ग आम जनमानस के मार्ग से अलग रखा जाएगा। राजपत्रित अधिकारी व स्थानीय मजिस्ट्रेट को प्रभारी नियुक्त किया जाएगा।

दरअसल, क्रिकेट मैच देखने, मॉल, रेलवे स्टेशन, राजनीतिक पार्टियों तथा आध्यात्मिक कार्यक्रमों में भारी भीड़ उमड़ती है। भारी भीड़ होने से भीड़ जनित आपदा अथवा भगदड़ की भी आशंका रहती है। पूर्व में लखनऊ, प्रतापगढ़, वाराणसी, प्रयागराज रेलवे स्टेशन तथा हाथरस में ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। इसके दृष्टिगत राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिकरण ने भीड़ प्रबंधन के बारे में कई सुझाव दिए हैं।

एसओपी के मुताबिक भीड़ जनित आपदा के दृष्टिगत कमिश्नरेट, जिला, रेंज, जोन स्तर पर एक एकीकृत प्रणाली (इंटीग्रेटेड सिस्टम) विकसित की जाएगी। डीएम, सीएमओ, सिविल डिफेंस, अग्निशमन, विभिन्न स्वयंसेवी संगठन तथा स्थानीय पुलिस द्वारा इसे लगातार अपडेट किया जाता रहेगा। आपदा प्रबंधन से संबंधित सभी विभाग नियमित पूर्वाभ्यास करेंगे। पुलिस लाइन में विशेष आयोजनों में सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण तथा यातायात के दृष्टिगत आवश्यक संसाधनों व उपकरण व प्रशिक्षण का इंतजाम करना होगा। सभी राजकीय व निजी अस्पतालों को भी चिह्नित करना होगा।

सीएम केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और के. कविता को राहत नहीं

दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े सीबीआई मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने मुख्यमंत्री केजरीवाल की न्यायिक हिरासत को बढ़ा दिया है। अब आठ अगस्त को सुनवाई होगी। तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए केजरीवाल की पेशी हुई। सीबीआई ने अरविंद केजरीवाल के तिहाड़ जेल से ही गिरफ्तार किया था। मनीष सिसोदिया और के कविता की भी बढ़ी न्यायिक हिरासत

राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल और अशोक हॉल का नाम बदला

राष्ट्रपति कार्यालय और निवास राष्ट्र के प्रतीक

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन के प्रतिष्ठित दरबार हॉल और अशोक हॉल का नाम बदलकर गुरुवार को गणतंत्र मंडप और अशोक मंडप किया गया। ये हॉल विभिन्न औचारिक समारोहों के आयोजन स्थल हैं। राष्ट्रपति सचिवालय की ओर से जारी एक बयान में जानकारी दी गई।

राष्ट्रपति भवन, राष्ट्रपति कार्यालय और निवास राष्ट्र के प्रतीक हैं और जनता की एक अमूल्य विरासत हैं। बयान में कहा गया, इन्हें जनता के लिए अधिक सुलभ बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। राष्ट्रपति भवन के माहौल को भारतीय सांस्कृति मूल्यों और लोकाचार के अनुरूप बनाने के निरंतर प्रयास किए गए। इसी क्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन के दो प्रतिष्ठित हॉल दरबार हॉल का नाम बदलकर गणतंत्र मंडप और अशोक हॉल का नाम बदलकर अशोक मंडप किया है।

बयान में आगे कहा गया, दरबार हॉल राष्ट्रीय पुरस्कारों की प्रस्तुति जैसे महत्वपूर्ण समारोहों का स्थल है। दरबार शब्द का तात्पर्य भारतीय शासकों और अंग्रेजों की अदालतों और सभाओं से है। भारत के गणतंत्र बनने के बाद इसकी प्रासंगिकता खत्म हो गई है। गणतंत्र मंडप की अवधारणा प्राचीन काल से भारतीय समाज में गहराई से निहित है, जिस वजह से आयोजन स्थल का नाम बदलकर गणतंत्र मंडप किया गया है। इसमें आगे कहा गया, अशोक शब्द का अर्थ एक ऐसे व्यक्ति से है, जो सभी प्रकार दुखों से मुक्त है। इसके अलावा अशोक का तात्पर्य एकता और शांति-पूर्ण सह-अस्तित्व के प्रतीक सम्राट अशोक से है। बयान में आगे कहा गया, सारनाथ अशोक की राजधानी थी। यह शब्द अशोक वृक्ष को भी संदर्भित करता है।

एक नजर

मुख्तार अंसारी के बेटे की याचिका पर अदालत ने यूपी सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को विधायक अब्बास अंसारी की याचिका पर उत्तर प्रदेश सरकार से जवाब मांगा। अंसारी ने एक मामले में शीर्ष अदालत से जमानत की मांगी थी। उन पर अपनी पत्नी के मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए कई लोगों को धमकी देकर पैसे वसूलने के आरोप लगा है। पत्नी चित्रकूट जिला जेल में उनसे मिलने आती थी, जहां वह बंद हैं। इस मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने एक मई को अंसारी की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद उन्होंने उच्च न्यायाल के फैसले को शीर्ष अदालत में चुनौती दी।

मऊ विधानसभा क्षेत्र से विधायक अंसारी के खिलाफ फरवरी 2023 में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि अंसारी की पत्नी औपचारिकताओं और तय प्रतिबंधों का पालन किए बिना अक्सर जेल में उनसे मिलने जाती थीं। उच्च न्यायालय ने अपने फैसले में इस बात का जिक्र किया था।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष जोशी ने पद से इस्तीफे की पेशकश की, दिल्ली में गृहमंत्री अमित शाह से मिले

नई दिल्ली। बीजेपी के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने अपने पद से इस्तीफे की पेशकश की है। यह पेशकश उन्होंने दिल्ली में गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात के दौरान की। सूत्रों के अनुसार, शाह ने जोशी से प्रदेश अध्यक्ष पद को लेकर चर्चा की और उपचुनाव तक पद पर बने रहने की बात कही।

बताया जा रहा है कि जोशी ने विधानसभा चुनावों के बाद भी इस्तीफे की पेशकश की थी। दरअसल, राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी दोनों ही ब्राह्मण समुदाय से आते हैं। इसे देखते हुए पार्टी में विभिन्न स्तरों पर चर्चा हो रही है कि दोनों प्रमुख पदों पर एक ही समुदाय का प्रतिनिधित्व होना उचित है या नहीं।

जोशी ने पहले भी कई मौकों पर इस्तीफे की पेशकश की है। लोकसभा चुनाव लड़ने के दौरान भी उन्होंने इस्तीफे की पेशकश की थी, जिसे पार्टी नेतृत्व ने स्वीकार नहीं किया। पार्टी सूत्रों का मानना है कि जोशी की पेशकश के पीछे विभिन्न राजनीतिक और सामुदायिक समीकरण हैं, जिन पर विचार किया जा रहा है। यह देखना दिलचस्प होगा कि आगामी उपचुनाव के मद्देनजर पार्टी नेतृत्व जोशी के इस्तीफे को स्वीकार करता है या उन्हें पद पर बने रहने के लिए मनाता है। इस घटनाक्रम ने राजस्थान की राजनीति में हलचल पैदा कर दी है।

अगस्त में होगी यूपी पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा

बोर्ड ने तारीख व समय सारणी जारी की

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आरक्षी नागरिक पुलिस के 60244 पदों पर सीधी भर्ती-2023 की लिखित परीक्षा दिनांक 23, 24, 25, 30 और 31 अगस्त 2024 को आयोजित कराने का निर्णय लिया गया है। परीक्षा का आयोजन प्रतिदिन दो पालियों में होगा और प्रति पाली में लगभग पांच लाख अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे।

बता दें कि पेपर लीक के कारण पहले हो चुकी यह परीक्षा निरस्त कर दी गई थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि यह परीक्षा छह माह के अन्दर शुचिता एवं पारदर्शिता के उच्चतम मानकों को दृष्टिगत रखते हुये पुन: आयोजित करायी जाएगी।

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा इस परीक्षा को एक निश्चित समय सीमा के अन्तर्गत पारदर्शी तरीके से उच्चतम मानकों के अनुसार आयोजित करने की प्रतिबद्धता के क्रम में यह कार्यकम घोषित किया गया है। चयन प्रक्रिया को पारदर्शी एवं शुचितापूर्ण ढंग से कराये जाने के सम्बन्ध में परीक्षा सम्बन्धित विभिन्न व्यवस्थाओं जैसे-परीक्षा की तैयारियों, परीक्षा केन्द्रों के चयन, परीक्षार्थियों का सत्यापन, निरूपण रोके जाने हेतु विस्तृत दिशा निर्देश उत्तर प्रदेश शासन द्वारा दिनांक-19.06.2024 को जारी किए गये हैं। यह परीक्षा इन सभी मानकों के अनुसार की जा रही है।

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा सार्वजनिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों, जैसे प्रश्नपत्र लीक होना, उत्तर पुस्तिकाओं से छेड़छाड़ आदि को रोकने के लिए उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) अध्यादेश-2024 (उत्तर प्रदेश अध्यादेश संख्या-6, सन 2024) दिनांक ०1 जुलाई, 2024 को अधिसूचित किया गया है, इस अधिनियम में प्रावधान किया गया है कि इस अधिनियम के अन्तर्गत परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करना, नकल करना या नकल कराना, प्रश्न पत्र का प्रतिरूपण करना या प्रकट करना या प्रकट करने का षड्यंत्र करना आदि कृत्य अपराध की श्रेणी में आते हैं। जो इस अधिनियम के अन्तर्गत दण्डनीय है।

मुख्यमंत्री योगी से मिले मंत्री संजय निषाद, बताई जा रही शिष्टाचार भेंट

लखनऊ। यूपी सरकार में मंत्री डॉ. संजय निषाद ने बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की है। इस मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया जा रहा है। यह भी कहा जा रहा है कि मुलाकात उपचुनाव की तैयारियों को लेकर हुई है। प्रदेश में 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव में भाजपा की जीत के लिए जिन मंत्रियों को प्रभार दिया गया है। उनमें डॉ. संजय निषाद भी हैं। बता दें कि लोकसभा चुनाव में हार के बाद जिन लोगों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर सवाल उठाए थे। उनमें से एक डॉ. संजय निषाद भी थे। उन्होंने कहा था कि बुलडोजर चलवाने की वजह से जनता ने वोट नहीं दिया। उपचुनाव में जीत के लिए सरकार ने हर सीट पर तीन-चार मंत्रियों एक-एक की टीम बनाकर उतारी है। इस प्रकार कुल 30 मंत्रियों के कंधों पर उपचुनाव जीतने की जिम्मेदारी है।

लोकसभा में गूंजा अर्धसैनिक बलों के लिए पुरानी पेंशन का मुद्दा

नई दिल्ली। केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में पुरानी पेंशन लागू हो, उन्हें भारत संघ के सशस्त्र बल माना जाए, अब यह मुद्दा संसद के मानसून सत्र में गूंजने लगा है। बुधवार को समाजवादी पार्टी के लोकसभा सांसद धर्मेंद्र यादव ने सदन में कहा, अर्धसैनिक बलों के जवान बॉर्डर पर शहादत झेल रहे हैं, उन्हें पुरानी पेंशन दीजिए। गुरुवार को रोहतक के लोकसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के लिए पुरानी पेंशन की मांग उठाई। उन्होंने कहा, ये बल देश की सुरक्षा करते हैं, यहां तक कि संसद भवन की रक्षा का दायित्व भी यही बल निभाते हैं। इन्हें 100 दिन का अवकाश

● सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने उठाई आवाज

मिले। हर राज्य में सैनिक कल्याण बोर्ड की तर्ज पर राज्य अर्धसैनिक बोर्ड का गठन हो।

सपा के सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा, जब भाजपा विपक्ष में रही तो ओपीएस की बात करती रही। यह सरकार अब 11 वां बजट पेश कर रही है। देश के सरकारी कर्मचारी, पुरानी पेंशन के लिए परेशान हैं। सरकार, ओपीएस की चर्चा ही नहीं कर रही। लोकसभा में धर्मेंद्र यादव ने कहा, आप बहुत बड़े राष्ट्र भक्त बनते हैं। सीमा पर जवान शहादत झेल रहे हैं। केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के जवानों को पुरानी पेंशन दी जाए।

उन्होंने कहा कि श्रद्धये नेताजी ने हम समाजवादियों को न्याय और इंसाफ के लिए लड़ना सिखाया है जिस लड़ाई को हम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में लड़ रहे हैं। आज देश की 140 करोड़ आबादी में लगभग 95 फीसदी लोग बर्बाद हो चुके है, एनडीए सरकार के 11वें बजट में सबसे ज्यादा गरीबो को नजरअंदाज किया गया है, 2014 में यूंपीए सरकार में किसानों के लिये 5.5 फीसदी बजट था जो घटकर अब 3.15 फीसदी रह गया है, 2013 में शिक्षा के लिये 4.77 था जो अब ढाई फीसदी रह गया है। यह बजट पूरी तरह से गरीब विरोधी, किसान विरोधी, नौजवान विरोधी, अल्पसंख्यक विरोधी, छात्र विरोधी, दलित विरोधी, पिछड़ा विरोधी तथा मजदूर बिरोधी है। आगे कहा कि श्रद्धये नेताजी ने कहा कि चुनाव में किये गए वादों को पूरा न करना भी एक भ्रष्टाचार होता है। कहाँ है युवाओं को 2 करोड़ राजगार, कहाँ है किसानों का डेड गुना समर्थन मूल्य। किसानों के खाद के कट्टे को दो बार मे 10 किलो घटा दिया, इसी तरह चलता रहा तो आने वाले समय मे कट्टे में सिर्फ10 किलो ही यूरिया रह जायेगी। दिल्ली की सीमा पर सैकड़ो किसान शहीद हो गए पर इस संवेदनहीन सरकार को कोई फर्क नही पड़ा।शिक्षा पर लगातार बजट घटाया जा रहा है,देश के सभी जाने-माने शिक्षा संस्थान बर्बाद किये जा रहे हैं। देश के किसी भी शिक्षा संस्थान में दलित, पिछड़ा अथवा आदिवासी वाईस चांसलर नही है, इनमें होने वाली प्रोफेसर व असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति सिर्फ उसी की होती है जो आर एसएस का फंडामेंटल कोर्स किये होता है।मेरा इस सरकार पर खुला आरोप है कि शिक्षा को चंद उद्योगपतियों के हाथ मे देकर गरीब, दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक, आदि वासियों को शिक्षा से वंचित करना चाहती है, क्योंकि अशिक्षा ही समाज को मौन बनाती है।

अमर भास्कर

आवश्यकता है-

अमर भास्कर

(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र एवं न्यूज चैनल)

को पूरे देश में प्रदेश स्तर, मण्डल स्तर
जिला स्तर, तहसील स्तर, ब्लॉक एवं थाना स्तर पर
अनुभवी एवं शिक्षित संवाददाता एवं विज्ञापन प्रभारियों की।

संपर्क करें:-
मोबा. 9411214614, 9058143211, 7599339198

ऑफिस:-
निकट होटल रिजेन्सी, लावेला चौक, बदायूँ (उ.प्र.)- 243601

www.amarbhashkar.com
Email- amarbhashkar21@gmail.com

पुलिस ने किया अंतर्राज्यीय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश

अमर भास्कर, ब्यूरो।

सहारनपुर। सदर बाजार कोतवाली पुलिस ने अंतर्राज्यीय वाहन चोर गिरोह के सात शातिर सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की गई 10 मोटरसाइकिलें और फर्जी नम्बर प्लेट बरामद करने में सफलता हासिल कर ली।

एसपी सिटी अभिमन्यु मांगलिक ने पुलिस लाईन सभागार में पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि 22 जुलाई को वादी पराग पंवार पुत्र संजय पंवार निवासी ग्राम सांचलू थाना रामपुर मनिहारान ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया था कि अज्ञात चोरों ने उसकी मोटरसाइकिल संख्या यूपी11 बीडब्ल्यू-9711 चोरी कर ली है। पुलिस ने धारा-303(2) बीएनएस में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी थी। एसपी सिटी श्री मांगलिक ने बताया कि आज कोतवाली सदर बाजार पुलिस ने कोतवाली प्रभारी सूबेसिंह, उपनिरीक्षक देवेंद्र अधाना, उपनिरीक्षक मौ. जहांगीर, उपनिरीक्षक राहुल शर्मा व उपनिरीक्षक सुशील कुमार के नेतृत्व में चैकिंग के दौरान सात वाहन चोर राहुल पुत्र संदीप निवासी ग्राम अहमदपुर थाना रामपुर मनिहारान, सागर पंवार उर्फसावन पुत्र स्व. सुरेंद्र निवासी ग्राम पिलखनी थाना रामपुर मनिहारान, रोहित कुमार पुत्र सुभाष निवासी ग्राम बागाखेड़ी, दीपक पुत्र गोपीचंद निवासी ग्राम पहांसू थाना रामपुर मनिहारान को नवादा रोड पर ग्राम फ्तेहपुर जट्ट के पास से चोरी की दो मोटरसाइकिलों सहित गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दबोचे गए बदमाशों से की गई पूछताछ के दौरान उनकी निशानदेही पर ग्राम फ्तेहपुर जट्ट रोड पर बंद पड़े ईंट भट्टे में बने कमरे से अलग-अलग स्थानों से चोरी की गई 8 मोटरसाइकिल बरामद कर ली।

इन बरामद मोटरसाइकिलों की निगरानी आशु पुत्र आबिद निवासी ग्राम मोहनपुर गाड़ा, मोहित कश्यप पुत्र बिट्टू निवासी ग्राम भांकला व दीपक कश्यप पुत्र भागमल निवासी ग्राम भांकला सभी थाना रामपुर मनिहारान कर रहे थे जिन्हें पुलिस ने मौके से गिरफ्तार कर लिया। दबोचे गए बदमाशों के तीन अन्य साथी जंगल का फायदा उठाकर फरार हो गए जिनकी तलाश की जा रही है। एसपी सिटी ने बताया कि दबोचे गए आरोपियों ने पूछताछ के दौरान बताया कि वाहन चोरी के इस धंधे में हम 10 लोग शामिल हैं।

खुदरा व्यापारियों के लिए निराशाजनक है बजट

सहारनपुर। पश्चिमी उत्तर प्रदेश संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष जयवीर राणा ने केंद्र सरकार के बजट को खुदरा व्यापारियों के लिए निराशाजनक बताया। प्रीत विहार स्थित संस्था के कार्यालय पर जारी बयान में श्री राणा ने कहा कि व्यापारी जीएसटी में सरलीकरण, जीएसटी के टैक्स स्लैब कम हो तथा 60 साल से ऊपर व्यापारी को पेंशन योजना का लाभ मिलने की मांग कर रहे थे जो बजट में नहीं मिला। व्यापारियों को किसान क्रेडिट कार्ड की तरह 4: सालाना ब्याज पर पर मिलना चाहिए। इसकी तरफसरकार को ध्यान देना चाहिए था, व्यापारी को आयुष्मान योजना का लाभ मिलने की उम्मीद थी अपितु नहीं जुड़ पाए।

कैलाश धाम शिव कांवड़ सेवा शिविर का भव्य शुभारंभ

अमर भास्कर, ब्यूरो।

सहारनपुर। प्रत्येक वर्ष शिवभक्त कांवड़ियों की सेवा के लिए लगने वाले कैलाश धाम शिव कांवड़ सेवा शिविर का सुश्री संत देवी सुदीक्षा सरस्वती के कर कमलों द्वारा शुभारम्भ किया गया।

देहरादून रोड स्थित शिवालिक गार्डन में आयोजित शिविर में अतिथियों का शिविर संचालक ललित पोपली ने अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंट का स्वागत किया। कांवड़ सेवा शिविर संचालक एवं वरिष्ठ समाजसेवी ललित पोपली और समाजसेवी सह संचालक शिविर राजीव चानना ने बताया कि भक्तों को और अधिक सुविधा, सुरक्षा आदि को ध्यान में रखते हुए इस बार और व्यापक व्यवस्था की गई है, जिससे की ना ही भोले के भक्तों को और शहर से आने वाले धर्मप्रेमी सेवादारों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका भी ख्याल रखा गया है। उन्होंने कहा कि प्रशासन पुलिस प्रशासन एवं नगर के गणमान्य लोगों का भी भरपूर सहयोग और समर्थन मिल रहा है।

भक्तों के लिए 24 घण्टे सुरक्षा, सामग्री आदि की व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर नगर विधायक राजीव गुम्बर, पूर्व सांसद राघव लखनपाल शर्मा, मेयर डॉ. अजय सिंह, डॉ. पंकज खन्ना, डॉ. मोहन सिंह, एसपी देहात सागर जैन, एस पी ट्रैफिक सिद्धार्थ वर्मा, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता महेंद्र तनेजा, एमएलसी शाहनवाज खान, पूर्व चेयरमैन हरीश मलिक, हेमंत अरोड़ा, व्यापारी नेता विवेक मनोचा, पार्षद टिंकू अरोड़ा आदि लोग मौजूद रहे।

महापौर और नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण

अमर भास्कर, ब्यूरो।

अलीगढ़। बुधवार को महापौर प्रशांत सिंघल और नगर आयुक्त अमित आसेरी ने पार्षद पुष्पेन्द्र सिंह, भूपेंद्र सिंह निरंजन सिंह साथ पार्षद वार्ड 53 और 41 में नगरीय सुविधाओं को प्रभावी बनाने की दृष्टिगत अधीनस्थों के साथ निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान स्वर्ण जयंती नगर गोविल गैस मार्ग पर अंडरग्राउंड नाला सफाई की धीमी प्रगति और मानक के अनुरूप कम सफाई कर्मी की उपस्थिति मिलने पर महापौर और नगर आयुक्त ने नाराजगी जताई मौके पर एसएफआई की क्लास लगाते हुए तेज़ी से इस नाले की सफाई को युद्ध स्तर पर पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए साथ ही साथ स्थानीय नागरिकों द्वारा इस रोड पर अवैध अतिक्रमण और जल निकासी में बाधक स्थाई अतिक्रमण हटाए जाने के अनुरोध पर महापौर और नगर आयुक्त ने मौके पर ही सहायक नगर आयुक्त के नेतृत्व में टीम गठित कर अगले 7 दिन तक जोन 2 में अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध व्यापक अभियान चलाकर साथ ही साथ स्वर्ण जयंती नगर में स्थाई अतिक्रमण को चिन्हित करते हुए पैमाइश करने के निर्देश दिए। महापौर और नगर आयुक्त ने वार्ड 41 में नव विस्तारित वार्ड में मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराने की दृष्टिगत वार्ड पार्षद के अनुरोध पर पांच मुख्य मार्ग सड़कों को पहले चरण में बनवाए जाने के लिए तत्काल प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश मुख्य अभियंता को दिए। महापौर और नगर आयुक्त ने बेगपुर में मुख्य मार्ग पर नाला निर्माण का भी निरीक्षण किया और मुख्य अभियंता को इसका निर्माण कार्य को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण में मुख्य अभियंता सुरेश चंद महाप्रबंधक जल कुलदीप सिंह सहायक नगर आयुक्त वीर सिंह आदि साथ थे। निरीक्षण में मुख्य अभियंता सुरेश चंद महाप्रबंधक आदि साथ थे।

मिस्टर साइनिंग मॉडली शो के अर्णव बने विजेता

सहारनपुर। मिस्टर साईनिंग मॉडल शो में जनपद के खिलाड़ी अर्णव शर्मा ने पदक हासिल कर जनपद का नाम रोशन किया।

पदक विजेता खिलाड़ी का नगर लौटने पर खिलाड़ियों व खेलप्रेमियों ने उनका सम्मान कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। गौरतलब है कि उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में मिस्टर साइनिंग मॉडल शो का आयोजन किया गया था जिसमें महानगर के माधोनगर निवासी अर्णव शर्मा ने प्रतिभाग किया।

उन्होंने अपनी प्रतिभा के बल पर अन्य प्रतिभागियों को पछाड़ते हुए प्रतियोगिता में विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया और जनपद को अपनी जीत से गौरवान्वित किया। अर्णव शर्मा ने बताया कि शो में काफी संख्या मे काफी प्रतिभागियो ने भाग लिया था। जिसमें उन्होंने अपने शानदार प्रदर्शन के बलबूते सफलता अर्जित की है।

ट्रैक्टर-ट्राली की टक्कर से बाइक सवार की मौत

अमर भास्कर, ब्यूरो।

सहारनपुर। थाना देहात कोतवाली क्षेत्रांतर्गत जनता रोड हसनवाली में एक बाइक सवार युवक की ट्रैक्टर-ट्राली की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई।

युवक की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतक युवक के शव को कब्जे में लेकर जिला चिकित्सालय भिजवा दिया। उधर क्षेत्रीय विधायक आशु मलिक के भतीजे परवेज मलिक मौके पर पहुंचे और शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाते हुए हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। मिली जानकारी के अनुसार आज सुबह पांच बजे देहात कोतवाली क्षेत्रांतर्गत जनता रोड हसनवाली में चक हरेटी निवासी मेहरबान अपनी बाइक पर सवार होकर कहीं जा रहा था। इसी बीच वह वहां से गुजर रही ट्रैक्टर-ट्राली की चपेट में आ गया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और वे आनन-फानन में मौके पर पहुंचे। उधर सूचना मिलते ही देहात कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जिला चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवा दिया। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्रीय विधायक आशु मलिक के भतीजे परवेज मलिक भी मौके पर पहुंचे और मृतक के परिजनों ने पोस्टमार्टम न कराने का आग्रह किया। इस पर विधायक आशु मलिक ने एसएसपी से वार्ता कर पोस्टमार्टन न कराने की बात कही। परिजनों की इच्छानुसार शव परिजनों को सौंप दिया गया और मृतकाश्रितों को विधायक की ओर से हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। इस दौरान सपा नेता इसरार चौधरी, मोहसिन मलिक, शोएब मलिक, महफूज़ देवली आदि मौजूद रहे।

पुलिस के हत्थे चढ़ा शातिर नशा तस्कर

सहारनपुर। थाना कुतुबशेर पुलिस ने एक शातिर नशा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 17 बोतल अवैध देशी शराब बरामद कर ली। मिली जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी सुनील नागर, उपनिरीक्षक सचिन पूनिया व विपिन कुमार के नेतृत्व में मुखबिर की सूचना पर एक नशा तस्कर दिलशाद पुत्र सईद निवासी एकता कालोनी थाना कुतुबशेर को अम्बाला रोड बड़ी नहर के पास स्थित पटरी से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 17 बोतल देशी शराब हरियाणा मार्का बरामद कर ली। थाना प्रभारी श्री नागर ने बताया कि दबोचे गए आरोपी ने पूछताछ के दौरान बताया कि मैं दूसरे राज्य से सस्ते दामों में शराब लाकर आसपास के क्षेत्र एवं राह चलते लोगों को अधिक दामों में बेच देता हूं जिससे मुझे अच्छा खासा मुनाफा हो जाता है। आरोपी को आबकारी अधिनियम की धारा के तहत जेल भेज दिया।

डीएम की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन

अमर भास्कर, ब्यूरो।

अलीगढ़। डीएम विशाख जी० की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में किसान बन्धु की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में प्रमुख रूप से बिजली, पानी, सड़क, नहरों माइनर में अवैध कुलाबे, अधोमानक कीटनाशकों की बिक्री पर रोक, रासायनिक खाद के साथ लगेज और नैनो यूरिया और एनपीके जबरदस्ती दिए जाने के साथ ही खैर अनाज मंडी में टीन शेड को व्यापारियों द्वारा कब्जाए जाने, केसीसी के लिए बंधक रखी भूमि को लोन जमा करने के उपरांत आसानी से बंधक मुक्त न किए जाने इत्यादि के बिंदु रहे।

डीएम ने किसानों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का हर सम्भव निदान कराया जाएगा। किसान बन्धुओं ने कहा कि इस समय धान की खेती के चलते सिंचाई के लिए पानी की आवश्यकता है और माइनर सूखे पड़े हैं। उन्होंने बताया कि जेवर रजवाहे से 32 माइनर हैं, अब तक रजवाहे में पानी नहीं आया है। अधिशासी अभियंता सिंचाई राजेन्द्र कुमार ने बताया कि मांट ब्रांच को 10 दिन देर से पानी मिला है, अब वह पूरी क्षमता से चल रही है सिंचाई के लिए जल्द पानी उपलब्ध होगा।किसानों की मांग पर डीएम ने विद्युत विभाग को निर्देशित किया कि आए दिन घटित होने वाली समस्याओं से निजात के लिए जर्जर तारों का चिन्हांकन करते हुए बदलवाया जाए। हाई टेंशन विद्युत लाइन के नीचे सुरक्षा जाल लगाया जाए। इसके साथ ही बिजली से यदि कोई अप्रिय घटना घटित होती है तो सक्षम विद्युत अधिकारी मौके पर अवश्य पहुंचें। किसानों ने गोंडा-अलीगढ़ मार्ग 8 किलोमीटर लम्बाई में जीर्ण शीर्ण होने की शिकायत की। जिस पर डीएम ने जाँच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

समस्याओं को निस्तारण को दिया आश्वासन

सहारनपुर। नगर निगम के महौपार डा. अजय कुमार सिंह ने रायवाला बाजार के स्थानीय नेताओं के साथ विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर वहां जलभराव आदि समस्याओं जायजा लिया तथा व्यापारियों को सभी व्यवस्थाएं दुरूस्त करने का आश्वासन दिया। गौरतलब है कि दो दिन पूर्व हुए जलवृष्टि में रायवाला के कुछ क्षेत्रों में पानी भरने की सूचनाओं प्राप्त हुई थी। इसी के मद्देनजर आज महापौर डा. अजय सिंह ने अधिशासी अभियंता आलोक श्रीवास्तव, मुख्य नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आर सी गुप्ता, राजीव चौधरी के साथ क्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान व्यापारियों ने महापौर को बताया कि पूरे क्षेत्र में सभी नाले व नालियां अंटी पड़ी हैं। इन्हें आने वाले समय में बड़े नालों का निर्माण और उचित निकासी की व्यवस्था का कार्य किया जाए।

निरीक्षण के दौरान उनके साथ उपसभापति व पार्षद मुकेश गक्खड़, स्थानीय पार्षद रविसेन जैन, पार्षद नीरज शर्मा, पार्षद इजहार मंसूरी, अध्यक्ष रायवाला अजय कालरा, संजय अरोड़ा, अंतरिक्ष अरोड़ा, वरिष्ठ व्यापारी नेता राजकुमार मक्कड़ एवं रवि जुनेजा मौजूद रहे।

कांवड़ियों की सुविधा के लिए लॉन्च किया पोर्टल

अमर भास्कर, ब्यूरो।

सहारनपुर। कांवड़ यात्रा 2024 को सकुशल एवं सुविधाजनक सम्पन्न कराने हेतु मण्डलायुक्त डॉ. हृषिकेश भास्कर यशोद ने जिलाधिकारी मनीष बंसल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवान, नगर आयुक्त संजय चौहान की उपस्थिति में कांवड़ यात्रियों की सुविधा के लिए वैब पेज लिंक एवं क्यूआर कोड का लोकार्पण किया।

मण्डलायुक्त डॉ. हृषिकेश भास्कर यशोद ने बताया कि जिलाधिकारी सहारनपुर एवं इनकी टीम द्वारा विकसित किया गया वैब पेज लिंक एवं क्यूआर कोड कांवड़ यात्रियों की सुविधा के दृष्टिगत बहुत की सराहनीय कार्य है। उन्होंने बताया कि इस लिंक को गूगल मैप से जोडा गया है। इसके माध्यम से कांवडियों को अपने नजदीकी शौचालय, चिकित्सा शिविर, पानी एवं पैट्रोल स्टेशन, ढाबा एवं रेस्टोरेंट, थाना चौकी, रूट डायवर्जन एवं कांवड शिविर सहित हेल्पलाईन नम्बरों की भी जानकारी श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने इस कार्य के लिए जिलाधिकारी सहारनपुर एवं उनकी पूरी टीम की सराहना की। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने बताया कि कांवड यात्रा के दौरान अन्य जनपदों एवं राज्यों के श्रद्धालु जनपद सहारनपुर से होकर गुजरते हैं। उन सभी को आवश्यक मूलभूत सुविधाएं आसानी से उपलब्ध कराने हेतु यह पहल की गयी है। यह लिंक एवं क्यू आर कोड जनपद के मुख्य कांवड़ मार्ग, मैन चौराहों सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित किए जाएंगे जिससे एक क्लिक या स्कैन करने पर कांवडियों को सभी सुविधाओं की जानकारी अपने मोबाईल पर प्राप्त हो जाएंगी।

इसके माध्यम से कांवडियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही उनकी समस्याओं का समाधान भी आसानी एवं जल्दी से किया जाएगा। जनपद में दी जाने वाली सुविधाओं के स्थलों को गूगल मैप पर भी प्रदर्शित किया गया है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ. अर्चना आदि उपस्थित रहे।

ऑल इंडिया रिपोर्टर एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष बने राशिद

अमर भास्कर, ब्यूरो।

फिरोजाबाद। ऑल इंडिया रिपोर्टर्स एसोसिएशन की एक बैठक फिरोजाबाद जिला ब्यूरो दैनिक सच की आवाज उर्दू हिंदी दैनिक अमर भास्कर के जिला कार्यालय पर आयोजित हुई। बैठक में मुख्य अतिथि प्रदेश महासचिव ऑल इण्डिया रिपोर्टर एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव अवरार अहमद द्वारा मो.राशिद जिला ब्यूरो चीफ को एसोसिएशन का फिरोजाबाद जिले का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

जो शीघ्र ही जिले की कार्यकारिणी गठित कर प्रदेश महासचिव को सौंपेंगे। बैठक में पत्रकारों की समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया जहां प्रदेश महासचिव ने कहा कि पत्रकार निर्भीक होकर अपना कार्य करें। संगठन सदैव पत्रकारों के साथ है। ऑल इण्डिया रिपोर्टर एसोसिएशन द्वारा एक अगस्त को पत्रकारों की पांच सूत्रीय मांगों को लेकर पूरे प्रदेश के सभी जनपदों में जिला मुख्यालय पर ज्ञापन सौंपा जाएगा।

आईरा प्रदेश के सभी जिलो मे पत्रकारो के उत्पीड़न के खिलाफ एक साथ एक दिन एक समय पर आवाज उठायेगी और अपनी बात प्रशासन तक पहुंचाएगी। संगठन पत्रकारों के हित में कार्य करता आ रहा है और करता रहेगा पत्रकारों का किसी भी कीमत पर शोषण नहीं होने दिया जाएगा। इस दौरान प्रदेश महासचिव अबरार अहमद बदायूं जिलाध्यक्ष ठाकुर वेदपाल सिंह, वारिस पठान, प्रवक्ता आईरा, विद्याराम कार्यालय सहायक, वाजिद नूरी वरिष्ठ पत्रकार, सोमेंद्र पोनियां, आशीष पचौरी, विमल किशोर, जावेद अली, कमर उज्जमान, सजैब आदि मौजूद रहे।

जलभराव की समस्या से हो रही है परेशानी

सहारनपुर। सिद्धार्थ इनक्लेव द गार्डन सिटी में जल भराव की समस्या को लेकर क्षेत्रवासियों ने आज नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। उन्होंने इस सम्बंध में नगरायुक्त को ज्ञापन भी सौंपा। विगत दो दिनों से हो रही बारिश के कारण सिद्धार्थ इनक्लेव द गार्डन सिटी में जल भराव की समस्या से क्षेत्रवासी पूरी तरह परेशान हैं। उन्होंने बताया कि निगम द्वारा जल निकासी की व्यवस्था नहीं की गई है जिस कारण कालोनीवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। थोड़ी सी बारिश में भी कालोनी में तालाब की तरह पानी भर जाता है।

रोडवेज की बसें लगाएंगी अतिरिक्त फेरे

सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने बताया कि कांवड मेला 2024 के दृष्टिगत मेले में बहुत अधिक संख्या में कांवड़िए हरिद्वार को गंगा जल लेने जाएंगे तथा हरिद्वार से गंगा जल लेकर विभिन्न मार्गों से होते हुए हरियाणा एवं हिमाचल तथा प्रदेश के विभिन्न जनपदों में अपने गंतव्य स्थलों पर पंहुचेंगे। शिवभक्तों को आवागमन के तहत किसी प्रकार की समस्या न आए उसके लिए उत्तर प्रदेश राज्य सडक परिवहन निगम सहारनपुर द्वारा 02 अगस्त 2024 तक बसों का अतिरिक्त परिभ्रमण बढ़ाते हुए संचालन किया जाएगा। श्री बंसल ने चालकों एवं परिचालकों को निर्देश दिए कि मार्गों पर बसों के संचालन के समय यात्रियों एवं श्रद्धालुओं से मधुर व्यवहार करें तथा यथासम्भव श्रद्धालुओं की सहानुभूति पूर्वक सहायता करें। उन्होने क्षेत्रीय प्रबन्धक यूपीएसआरटीसी सहारनपुर को निर्देश दिए कि सभी बसें ऑनरोड रहें।

रोटरी क्लब ने मनाया 26वॉ अधिष्ठापन समारोह

अमर भास्कर, ब्यूरो।

अलीगढ़। रोटरी क्लब आफ अलीगढ़ सिटी हमेशा से ही सामाजिक कार्यों में आगे रहा है इस क्लब ने अपना 26 जी अधिष्ठापन समारोह होटल रामादा जी टी रोड पर बड़ी धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम दीप प्रज्वलन व गणेश वंदना से प्रारम्भ हुआ। मथुरा से पधारे वर्तमान जिला गवर्नर नीरव निवेश अग्रवाल जी, महाराष्ट्र से पधारे पी डी जी राजीव शर्मा जी, हाथरस से पधारे पीडीजी एसके राजू पीडीजी अरुण जैन, पीडीजी मुकेश सिंघल जी व असिस्टेंट गवर्नर अनुपम गुप्ता का पटका पहना कर स्वागत किया गया। इसी श्रृंखला में विभिन्न अन्य क्लब से पधारे प्रेसिडेंट व सेक्रेटरी का भी माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। सेक्रेटरी सीए घनश्याम दास माहेश्वरी द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया और स्वादिष्ट भोज के साथ कार्यक्रम संपन्न हुए।

सरकार ने की ओबीसी वर्ग की बेटियों की शादी में अनुदान की व्यवस्था

अमर भास्कर, ब्यूरो

बदायूं। जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट स्थित अपने कार्यालय कक्ष में सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता, बिल्सी विधायक हरीश शाक्य, जिलाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी राजीव कुमार गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति में अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ अन्य पिछड़ा वर्ग (अल्पसंख्यक वर्ग को छोड़कर) की शादी अनुदान योजना अंतर्गत कराए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। जनप्रतिनिधियों ने पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से पात्रों को योजना का लाभ देने व योजना का व्यापक प्रचार प्रसार कराने के लिए कहा।

डीएम ने बताया कि योजना अंतर्गत रुपए 20,000 प्रति लाभार्थी की धनराशि दी जाती है। एक व्यक्ति को अधिकतम दो पुत्री की शादी हेतु अनुदान अनुमन्य है। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी प्रणव पाठक ने बताया कि अन्य पिछड़ा वर्ग के व्यक्तियों की पुत्री के विवाह हेतु शादी अनुदान के लिए आवेदन पत्र ऑनलाइन प्राप्त किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि आवेदक की वार्षिक आय शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में समान रूप से अधिकतम रुपए एक लाख निश्चित है। आवेदक पिछड़ी जाति (अल्पसंख्यक पिछड़े वर्ग को छोड़कर) का होना अनिवार्य है। आवेदक की पुत्री की आयु शादी की तिथि को कम से कम 18 वर्ष होना चाहिए।

उन्होंने बताया कि जनपद के 15 ब्लॉक से 524 आवेदन पत्र प्राप्त हुए तथा तहसील स्तर से 60 आवेदन प्राप्त हुए। इस प्रकार कुल 584 आवेदन पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 31 आवेदन पत्र खंड विकास स्तर से व 03 आवेदन पत्र तहसील स्तर से निरस्त किए गए। कल 34 आवेदन पत्र निरस्त किए गए।

उन्होंने बताया कि कुल 238 आवेदन पत्र ब्लॉक व तहसील स्तर से अग्रसारित किए गए। उन्होंने बताया कि विगत वित्तीय वर्ष 2023-24 के माह मार्च 2024 में ऑनलाइन हुए आवेदन एवं माह मार्च 2024 में ही संपन्न हुई शादियों के आवेदन पत्रों में भुगतान हेतु कुल पात्र आवेदन 16 है तथा चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्राप्त आवेदन के सापेक्ष भुगतान हेतु कुल पात्र आवेदन 97 हैं। कुल 113 लाभार्थियों को 31 जुलाई तक अनुमन्य धनराशि अंतरित की जाएगी। उन्होंने बताया की शादी अनुदान हेतु वार्षिक लक्ष्य 1813 है जिसके लिए कुल रुपए 362.60 लाख शादी अनुदान में दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि अभी तक रुपए 181.40 लाख की धनराशि प्राप्त हो चुकी है। उन्होंने बताया कि आवेदक को पुत्री की शादी तय होने पर शादी की तिथि से 90 दिन पूर्व से एवं शादी होने के 90 दिन बाद तक आवेदन कर सकते है।

डीएम ने किया संविलियन विद्यालय का निरीक्षण

अमर भास्कर, ब्यूरो

बदायूं। जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव ने गुरुवार को ब्लॉक जगत अन्तर्गत संविलियन विद्यालय आरिफपुर नवादा का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां शिक्षा के स्तर को जाना। शिक्षा के स्तर को बेहतर करने के लिए कहा। विद्यालय में नियमित रूप से साफ सफाई के निर्देश दिए। मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता को चखकर चेक किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान बच्चों की यूनिफार्म, पुस्तकें, बैग आदि की उपलब्धता भी जांची।

जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव ने विद्यालय के निरीक्षण के दौरान वहां अध्ययनरत बच्चों से विभिन्न विषयों पर सवाल किए। सही उत्तर देने पर उन्हें प्रोत्साहित किया। उपस्थित अध्यापकों से शिक्षा के स्तर को बेहतर करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि बच्चे देश का भविष्य है इनको अच्छा स्वास्थ्य व शिक्षा अवश्य मिलना चाहिए। सभी अध्यापक पूरे मनोयोग से प्रत्येक बच्चे पर विशेष ध्यान देते हुए उनको शिक्षा प्रदान करें।

वहीं डीएम ने नैतिक शिक्षा की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान झाड़ियां की छटाई, जल भराव की समस्या, शौचालयों की नियमित साफ-सफाई आदि के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन व सरकार के निर्देश है कि विद्यालयों में समुचित साफ सफाई हो। उन्होंने विद्यालयों में एंटी लारवा का छिड़काव, झाड़ियां की छटाई, जल भराव की समस्या, शौचालयों की नियमित साफ-सफाई कराने के लिए जिला पंचायत राज अधिकारी, खंड विकास अधिकारी, जिला मलेरिया अधिकारी आदि अधिकारियों को निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने विद्यालय के निरीक्षण के दौरान वहां मेन्यु के अनुसार मध्यान्ह भोजन में बनाए गए दाल सब्जी व रोटी आदि को चखकर चेक किया। उन्होंने निर्देशित किया कि मेन्यु के अनुसार ही बच्चों को गुणवत्तायुक्त व पौष्टिक मध्यान्ह भोजन उपलब्ध कराया जाए। इस अवसर पर अध्यापक, छात्र-छात्राएं आदि मौजूद रहे।

डायट पर हुआ त्रिस्तरीय शिक्षक संकुल बैठक का आयोजन

अमर भास्कर, ब्यूरो

बदायूं। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान जनपद बदायूं में शिक्षक शिक्षा योजना के अंतर्गत जनपद के समस्त शिक्षक संकुल हेतु जनपद स्तरीय त्रैमासिक शिक्षक संकुल बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए डायट प्राचार्य गिरजेश कुमार चौधरी ने कहा कि सभी शिक्षक नवीन ऊर्जा का संचार करते हुए शिक्षा के क्षेत्र का विस्तार करते हुए अपने कार्यों को संपादित करें जिससे जनपद शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी रहे। उक्त बैठक में प्रभारी (सेवारत प्रशिक्षण) डा. अमित शर्मा ने सभी शिक्षक संकुल को आईसीटी संबंधित कौशल को अपने जीवन व सेवा में अपनाने पर बल दिया साथ ही निपुण विद्यालय विकसित करने हेतु 5 प्वाइंट टूल किट पर चर्चा करते हुए बताया कि एकेडमिक कक्षा सत्र में शिक्षण अधिगम सामग्री का प्रयोग, सामुदायिक सहभागिता, समय सारणी का अनुपालन, बच्चों की 75 प्रतिशत से अधिक उपस्तिथि, छात्रों का नियमित आकलन विषयों पर विस्तार से उनकी बारीकियों पर चर्चा की।

डायट प्रवक्ता दिलीप रजक ने बच्चों की उपस्तिथि बढ़ाने के तरीकों व ठहराव पर चर्चा की। इसी के साथ डायट प्रवक्ता सरवर अली ने निपुण विद्यालय की आगामी कार्ययोजना पर चर्चा करते हुए बताया कि विद्यालय विकास में सबसे बड़ी भूमिका विद्यालय की सामूहिक कार्ययोजना पर निर्भर है। बैठक में उपस्थित एसआरजी टीम सुधा मिश्रा व जसवीर सिंह ने शिक्षकों को दैनिक स्तर पर किन बिंदुओं पर कार्य संपादित करना है उन बिंदुओं पर चर्चा व सहयोग प्रदान किया।

सार-संक्षेप

भारी वाहन चलाने को नि:शुल्क प्रशिक्षण

बदायूं। मुख्य विकास अधिकारी केशव कुमार ने जानकारी देते हुए अवगत कराया कि लॉजिस्टिक सेक्टर में विकास की उभरती हुयी संभावनाओं व वृद्धि के दृष्टिगत मार्ग यातायात के माध्यम से माल परिवहन की आवश्यकता में निरंतर वृद्धि हो रही है। नमक्कल ट्रांसपोर्टर ट्रेनिंग अकादमी (तमिलनाडु) द्वारा ओवर डायमेशनल कार्गों के चालान हेतु भारी वाहन चालकों को प्रशिक्षित करने तथा प्रशिक्षण के उपरान्त 01 वर्ष तक सेवायोजन (इम्प्लायमेंट) का प्रस्ताव दिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षणार्थियों का अर्हताधारक होना आवश्यक है जिसमें भारी वाहन चालन हेतु वैध ड्राइविंग लाइसेंस, भारी वाहन चलाने का कम से कम लगातार 2 वर्ष का अनुभव, 40 फीट लम्बे वाहन चलाने का कम में कम 2 वर्ष का अनुभव होना चाहिए। उन्होंने बताया कि इस आवासीय प्रशिक्षण की अवधि 10 दिन होगी तथा प्रशिक्षण में सुरक्षा प्रोटोकॉल और जोखिम प्रबंधन, ओवर डायमेंशनल कार्गो का परिचय, रूट प्लानिंग और नेविगेशन, उपकरण और वाहन रखरखाव, संचार दस्तावेज़ीकरण व व्यावहारिक ड्राइविंग कौशल पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण प्रदाता संस्था द्वारा प्रशिक्षण सत्र पूर्ण होने पर समस्त प्रशिक्षित वाहन चालकों को प्रतिष्ठान में ही एक वर्ष तक के लिए रोजगार उपलब्ध कराया जायेगा। यह एक सुनिश्चित रोजगार परक पहल है। वाहन चालक प्रशिक्षणार्थियों के लिए प्रशिक्षण, भोजन व अवस्थान पर होने वाला समस्त व्यय उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा वहन किया जायेगा।

कूड़ा डालने को लेकर दो पक्षों में विवाद

बदायूं। जिले के थालिया गांव में दो भाइयों और उनकी पत्नियों को कूड़ा डालने का विरोध करना भारी पड़ गया। गांव के ही कुछ दबंगों को यह बात नागवार गुजरी और उन्होंने दिनों भाइयों और उनकी पत्नियों को लाठी डंडों से बेरहमी से पीट दिया। दोनो भाइयों और उनकी पत्नियों को गंभीर चोटें आई हैं। चारों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मामला मूसाझाग थाना क्षेत्र के गांव थालिया का है। थालिया निवासी जलालुद्दीन ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि उनकी पुत्र वधू अंजुम और खुशनुमा घर पर थीं। पड़ोस की महिला ने उनके घर के सामने कूड़ा फेक दिया जिसका उनकी पुत्र वधू ने विरोध किया। महिला अपने घर से बबलू, सब्बलू, खालिद, जाहिर हसन और हिरासत हुसैन बुला लाई। ये सभी लोग घर पर गंदी गंदी गालियां देते हुए मारपीट पर उतारू हो गए। गांव वालों ने समझाकर वापस कर दिया। आरोप है कि शाम तीन बजे बबलू, सब्बलू, खालिद, जाहिर हसन और हिरासत हुसैन लाठी डंडों से लैस होकर आए और इनकी पुत्र वधू अंजुम, खुशनुमा और पुत्र आबिद, आबिर पर टूट पड़े। पांचों दबंगों ने दोनो भाइयों और उनकी पत्नियों को जमकर मारा पीटा और फरार हो गए। मारपीट में घायल चारों लोगों के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्त में लिया है बाकी सब फरार हैं। पुलिस ने पीड़ित जलालुद्दीन की तहरीर पर फरार दबंग आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

रोटरी क्लब का तीन दिवसी परीक्षण शिविर का आयोजन

बिसौली। रोटरी क्लब द्वारा तीन दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 324 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ ही जरूरतमंद बच्चों को निशुल्क दबाए वितरित की गई। राममूर्ती देवी प्रेम शंकर बालिका विद्यालय में आयोजित शिविर की शुरुआत दीप जलाकर की गई। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र प्रभारी डा. पंकज शर्मा ने बच्चों को आयरन और फोलिक एसिड की खुराक या आयरन युक्त आहार के महत्व के बारे में बताया। वरिष्ठ रोटेरियन सुभाष अग्रवाल ने कहा की सेवा का दूसरा नाम रोटरी क्लब है। रोटरी क्लब की सेवाएं किसी से छिपी नहीं है। दिनेश मधु आई हॉस्पिटल के चेयरमैन रवि प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि निस्वार्थ भाव से लोगों की सेवा करना ही रोटरी क्लब का प्रमुख उद्देश्य है, और इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए सभी सदस्य हमेशा प्रयासरत रहते हैं। रोटरी क्लब के पूर्व अध्यक्ष विजय कुमार अग्रवाल ने कहा नर सेवा नारायण सेवा से ही प्रभु का आशीर्वाद हासिल होता है, और हमारा जीवन भी सफल होता है। इसीलिए हमेशा जन सेवा के काम करें। कार्यक्रम के संयोजक मुदित अग्रवाल ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया। शिविर में रोटरी क्लब द्वारा जांच करने वाले चिकित्सकों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

ककराला चेयरमैन के लिए मारपीट और एससी एक्ट का मुकदमा दर्ज

अमर भास्कर, ब्यूरो

बदायूं। ककराला नगर पालिका के चेयरमैन इंतखाब खां के खिलाफ अलापुर थाने में एससीएसटी एक्ट समेत मारपीट का केस दर्ज हुआ है। दर्ज एफआईआर में इंतखाब पर आरोप है कि उन्होंने टेंडर के बारे में जानकारी करने गए ठेकेदार को डंडे से पीटा। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं ठेकेदार का मेडिकल भी कराया गया है।

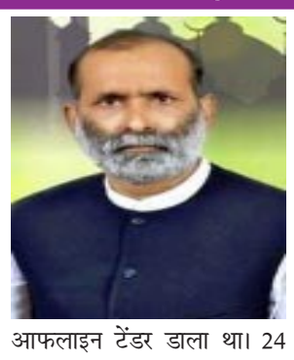

पूरा घटनाक्रम ककराला नगर पालिका परिसर का है। मुकदमे के मुताबिक इस्लामनगर के सिठौली गांव निवासी संतोष कुमार ठेकेदार हैं। उन्होंने चार महीने पहले नगर पालिका ककराला में आफलाइन टेंडर डाला था। 24 जुलाई को वह अपने टेंडर की जानकारी लेने के लिए नगर पालिका ककराला के चेरयमैन के दफ्तर में गए थे। वहां चेयरमैन इंतखाब खां सकलैनी बैठे हुए थे। आरोप है कि टेंडर की जानकारी मांगने पर चेयरमैन ने गाली-गलौज करते हुए जातिसूचक शब्द कहे। यह भी कहा कि ठेकेदारी करने चले आते हैं। विरोध पर चेयरमैन ने डंडा उठाकर संतोष पर प्रहार शुरू कर दिए। इस हमले में ठेकेदार संतोष को गंभीर चोटें आईं। वहां से भागकर ठेकेदार थाने पहुंचा और पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने घायल का मेडिकल कराया, जबकि बाद में तहरीर के आधार पर चेयरमैन के खिलाफ एससीएसटी एक्ट समेत मारपीट का केस दर्ज किया है।

इस संबंध में एसएचओ धनंजय सिंह ने बताया कि मुकदमा लिखा जा चुका है। सीओ स्तर से मामले की विवेचना होगी। अधिकारियों के निर्देश पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वादी का बयान भी दर्ज किया गया है।

खुलआम बिक रहा है मांस, प्रशासन अंजान

अमर भास्कर, संवाददाता

कादरचौक। बाजार में खुले आम बिक रहा है मीट सरकार के शक्त निर्देश होने के बाद ये लोग खुलेआम रोड पर अपने काम को अंजाम दे रहे है जबकि मुख्यमंत्री योगी जी के शक्त आदेश है की सावन में कोई भी मीट की दुकान नहीं खुलेगी फिर भी ये लोग बाजार में खुलेआम मीट बेच रहे है

मुख्यमंत्री के आदेश की उड़ाई जा रही है धज्जियाँ कादरचौक में सोमवार और गुरुवार को बाजार लगता है बाजार में कई गांव के लोग आते है सामान खरीदने एवं बेचने के लिए लेकिन यहां का नजारा अलग ही है यहां आए दिन कई महीनों से मीट के कारोबारी अपने काम को अंजाम दे रहे है सावन माह में हर जगह मीट की दुकाने बंद है लेकिन कादरचौक में ये लोग अपनी आदत से बाज नहीं आ रहे है ऐसे लोगों पर कार्यबाही क्यों नहीं हो रही है।

बाबा इन्टरनेशनल स्कूल में नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन

अमर भास्कर, संवाददाता

बिल्सी। नगर के बाबा इन्टरनेशनल स्कूल में नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ विद्यालय डायरेक्टर अनुज वार्ष्णेय व राज कुमार गुप्ता ने फीता काट कर किया द्य विद्यार्थियों ने विभिन्न तरह के डांस कर अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित किया और भव्य नृत्य प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में बच्चों ने दिए गए थीम के अनुसार गीतों पर बड़े सुंदर ढंग से नृत्य कर दर्शकों का मन मोह लिया। इसमें विद्यार्थियों द्वारा मनमोहक गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किया गया। कई गीतों पर विद्यार्थियों ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। सभी बच्चों का प्रदर्शन सराहनीय था। विद्यालय द्वारा आयोजित इस नृत्य प्रतियोगिता में बच्चों ने अपनी नृत्य कला का बखूबी प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता मे कक्षा- 1 में प्रथम स्थान सुर्यान्शी, कक्षा-2 में प्रथम स्थान शिवान्या, कक्षा-3 में प्रथम स्थान अन्वी वार्ष्णेय, कक्षा-4 में प्रथम स्थान वैष्णवी माहेश्वरी, कक्षा- 5 में प्रथम स्थान आराध्या वार्ष्णेय, कक्षा-6 में प्रथम स्थान याशिका सिंह, कक्षा- 7 में प्रथम स्थान- कन्वी , कक्षा- 8 में प्रथम स्थान पलक वार्ष्णेय, कक्षा-9 में प्रथम स्थान साक्षी सोलंकी, कक्षा 10 में प्रथम स्थान मन्नत ने प्राप्त किया।

विद्यालय डायरेक्टर अनुज वार्ष्णेय व साधना वार्ष्णेय ने नन्हें कलाकारों के नृत्य की सराहना की तथा बच्चों के माता-पिता के प्रयासों की भी प्रशंसा कर उनका धन्यवाद किया। प्रधानाचार्या रूपा माहेश्वरी विजेताओं को सम्मानित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलों व अन्य आयोजनों में भी बढ़-चढ़ कर भाग लेना चाहिए। शिक्षा के साथ साथ हर क्षेत्र में भाग लेकर अपना सर्वांगीण विकास करना चाहिए, ताकि समाज में अपनी नई पहचान बना सकें। प्रशासक अमित माहेश्वरी ने सभी विजेता विद्यार्थियों को जीत की बधाई दी तथा अन्य विद्यार्थियों को भी भविष्य में होने वाली प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। इस मौके पर विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

शिक्षा सप्ताह के अन्तर्गत विभिन्न क्रियाकलापों का आयोजन

अमर भास्कर, संवाददाता

बिल्सी। नगर के बाबा इन्टरनेशनल स्कूल में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा शिक्षा सप्ताह मनाया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की चौथी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में यह सप्ताह भर चलने वाला उत्सव राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 द्वारा शुरू किए गया।

हमारे देश भर में शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए हमारी प्रतिबद्धता शिक्षा सप्ताह का उद्देश्य शिक्षार्थियों, शिक्षकों, नीति के बीच सहयोग और नवाचार की भावना को बढ़ावा देना है। यह सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने, चुनौतियों पर चर्चा करने आदि के लिए एक मंच प्रदान करता है।

शिक्षा सप्ताह के अन्तर्गत चौथा दिन सांस्कृतिक गतिविधियों का रहा सभी विद्यार्थियों ने संबंधित पाठ्यक्रम के अनुसार विज्ञान प्रोजेक्ट तैयार किए तथा कक्षा तीन से छह तक के विद्यार्थियों के लिए मिट्टी के बर्तन बनाने की कार्यशाला भी आयोजित की गई। इसके बाद विभिन्न कक्षाओं की छात्राओं ने त्वचा की देखभाल, बालों की देखभाल और बुनियादी मेकअप अनुप्रयोगों सहित सौंदर्य एवं कल्याण कार्यशालाका आयोजन किया गया व खाद्य विज्ञान में छात्रों ने पारंपरिक भोजन पकाने और परोसने के बारे में सीखा। अंत में गृह विज्ञान गतिविधि में छात्रों ने आवश्यक सिलाई, बेसिक सिलाई, कॉर्केट, बटन लगाना और कढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करते हुए विभिन्न गतिविधियां सीखीं। प्रतियोगिताओं का शुभारम्भ विद्यालय डायरेक्टर अनुज वार्ष्णेय व राज कुमार गुप्ता ने किया जिसमे विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इस मौके पर विद्यालय प्रधानाचार्या रूपा माहेश्वरी, प्रशासक अमित माहेश्वरी व समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

बिजली व्यवस्था को लेकर एक्सईएन से मिले सभासद

बिसौली। नगर की विद्युत व्यवस्था को लेकर नगर पालिका परिषद के सभासद गण गुरुवार को अधिशासी अभियंता प्रमोद कुमार सागर से मिले। सभासदों ने बिजली की दयानीय स्थिति, नगर की जर्जर विद्युत लाइन, दुर्घटना को दावत देते विद्युत पोल एवं लो वोल्टेज की समस्या को उठाया। सभासद अभीक्ष पाठक ने बताया नगर की विद्युत व्यवस्था बिल्कुल फेल है। कर्मचारी अपनी मनमानी करते हैं। नगर वासियों को शेड्यूल के मुताबिक बिजली नहीं मिल पा रही हैं। सभासद दीपक पाठक ने कहा नगर की जर्जर विद्युत लाइनों की वजह से ट्रिपिंग व फाल्ट से विद्युत आपूर्ति बाधित हो रही है।

अधिशासी अभियंता श्री सागर ने आश्वासन दिया कि जल्द ही जर्जर तार परिवर्तित कर दिए जाएंगे। जो पोल टूट गए हैं या रास्तों के बीच में है, उनकी सूची बनाकर तत्काल प्रभाव से बदल दिया जाएगा। उन्होंने सम्मानित सभासदों से अपील की कि वह बिजली बिल जमा करने के संबंध में लोगों को जागरूक करें। श्री सागर ने आग्रह किया कि जिन लोगों पर विद्युत बिल बकाया है वह जमा करें अन्यथा की स्थिति में कठोर कार्रवाही की जाएगी। इस दौरान सभासद अभीक्ष पाठक, दीपक पाठक, आशुतोष पाठक, कृष्णा गुप्ता आदि मौजूद रहे।

संपादकीय

विवेकशील, साहसी और समझदारी भरा बजट

नरेंद्र मोदी सरकार के अपने छठे पूर्ण बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को दिखाया कि वह राजकोषीय विवेक, साहस और राजनीतिक समझदारी सब रखती हैं। उनका राजकोषीय विवेक न केवल 2024-25 में राजकोषीय घाटे का लक्ष्य कम करके सकल घरेलू उत्पाद के 4.9 फीसदी तक लाने में नजर आता है बल्कि उनकी इस घोषणा में भी दिखता है कि वह राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को 2026-27 से केंद्र सरकार के घाटे में कमी के साथ तालमेल वाला बनाएंगी।

वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट में राजकोषीय घाटे के लिए 5.1 फीसदी का लक्ष्य तय किया गया था जिसका मतलब था कि सरकारी ऋण जीडीपी का 57.2 फीसदी होगा। मंगलवार को पेश बजट में घाटे के लिए 4.9 फीसदी का लक्ष्य तय किया गया जो सरकारी ऋण को कम करके जीडीपी के 56.8 फीसदी के स्तर पर लाएगा।

यकीनन कर्ज का यह स्तर अभी भी आधिकारिक समिति द्वारा कुछ माह पहले तय किए गए 4० फीसदी के लक्ष्य से अधिक है। परंतु ध्यान देने वाली बात यह है कि मंगलवार तक कोविड के बाद के अपने सभी बजट भाषणों में यह लक्ष्य रखा गया कि राजकोषीय घाटे को 2025-26 तक जीडीपी के 4.5 फीसदी तक लाना है लेकिन सरकारी ऋण के स्तर में कमी का जिक्र करने की आवश्यकता नहीं समझी गई।

वर्ष 2024-25 के बजट भाषण में सीतारमण ने राजकोषीय घाटे को इस गति से कम करने का जिक्र किया जिससे कि सरकारी ऋण के स्तर में भी कमी आए। उन्होंने कहा, 2026-27 के बाद से हमारा प्रयास होगा कि राजकोषीय घाटे को ऐसा रखा जाए ताकि जीडीपी के प्रतिशत के रूप में भी केंद्र सरकार का ऋण गिरावट पर हो।' यह एक स्वागतयोग्य और जरूरी बात है जिस पर सरकार की राजकोषीय मजबूती की रणनीति के तहत ध्यान देना आवश्यक था। एक विकासशील अर्थव्यवस्था की अलग तरह की दिक्कतों को देखते हुए कर्ज के स्तर को राजकोषीय मजबूती के अधिक विश्वसनीय आधार के रूप में देखा जा रहा है।

सीतारमण के वित्तीय विवेक को एक और तरह से आंका जा सकता है। उन्होंने रिजर्व बैंक से अतिरिक्त लाभांश मिलने के बावजूद खुद को विभिन्न योजनाओं के लिए अतिरिक्त आवंटन करने से रोके रखा। यह लाभांश जीडीपी के ०.4 फीसदी के बराबर है। उन्होंने इस बात को सही चिह्नित किया कि यह इस वर्ष हुआ एकबारगी लाभ हो सकता है और अगले वर्ष शायद अतिरिक्त लाभांश मौजूद नहीं हो। ऐसे में इस वर्ष अतिरिक्त धनराशि होने के बावजूद उन्होंने राजस्व आवंटन को केवल छह फीसदी बढ़ने दिया। बिना ब्याज भुगतान के वास्तविक इजाफा 4.78 फीसदी रहा यानी लगभग कोई वृद्धि नहीं हुई। इसके बजाय उन्होंने पूंजीगत व्यय में 17 फीसदी इजाफा बरकरार रखा है। ऐसे में केंद्र सरकार का कुल व्यय 8.5 फीसदी बढ़ने वाला है जबकि उसका कुल राजस्व 15 फीसदी बढ़ेगा। आखिर में सीतारमण ने अपने व्यय की गुणवत्ता और मिश्रण में भी सुधार किया। इतना ही नहीं उन्होंने राजस्व घाटे को भी निरंतर कम किया। 2022-23 के जीडीपी के 4 फीसदी के मुकाबले राजस्व घाटा 2023-24 में 2.6 फीसदी रह गया और अब उसके लिए 1.8 फीसदी का लक्ष्य है। राजस्व घाटे में कमी के साथ ही सरकार के पास यह गुंजाइश होगी कि वह पूंजीगत व्यय में उधारी का अधिक हिस्सा डाले। वित्त मंत्री इसलिए भी साहसी हैं क्योंकि उन्होंने हर प्रकार की परिसंपत्तियों से हासिल पूंजीगत लाभ पर कर का पुनर्गठन किया है। इसका परिणाम अल्पावधि और दीर्घावधि के पूंजीगत लाभ कर में इजाफे के रूप में सामने आया है। इसके अलावा उन्होंने प्रतिभूतियों के वायदा एवं विकल्प कारोबार पर लगने वाले प्रतिभूति विनिमय कर (एसटीटी) में भी इजाफा किया है। याद रहे कि बजट के पहले आर्थिक समीक्षा में अर्थव्यवस्था के जरूरत से अधिक वित्तीयकरण के जोखिम को रेखांकित किया गया था। शेयर बाजार में वास्तविक अर्थव्यवस्था की तुलना में तेज वृद्धि इसमें शामिल है। समीक्षा में कर नीतियों और पूंजी और श्रम आय के साथ उसके व्यवहार के महत्त्व को भी रेखांकित किया गया है। ऐसा लगता है कि वित्त मंत्री ने पूंजीगत लाभ कर और एसटीटी को लेकर जो घोषणाएं की हैं वे दरअसल समीक्षा में जताई चिंताओं की बदौलत हैं। परंतु जब बात सालाना बजट तैयार करने की आती है तो शेयर मार्केट के मामले में वित्त मंत्रियों को जोखिम से बचने के लिए जाना जाता है। कुछ ही वित्त मंत्री शेयर बाजार को निराश करने वाली घोषणा करते हैं। सीतारमण ने यह जोखिम उठाने का निर्णय लिया।

सदन की झलकियां, रंगों ने बताया सदन का माहौल

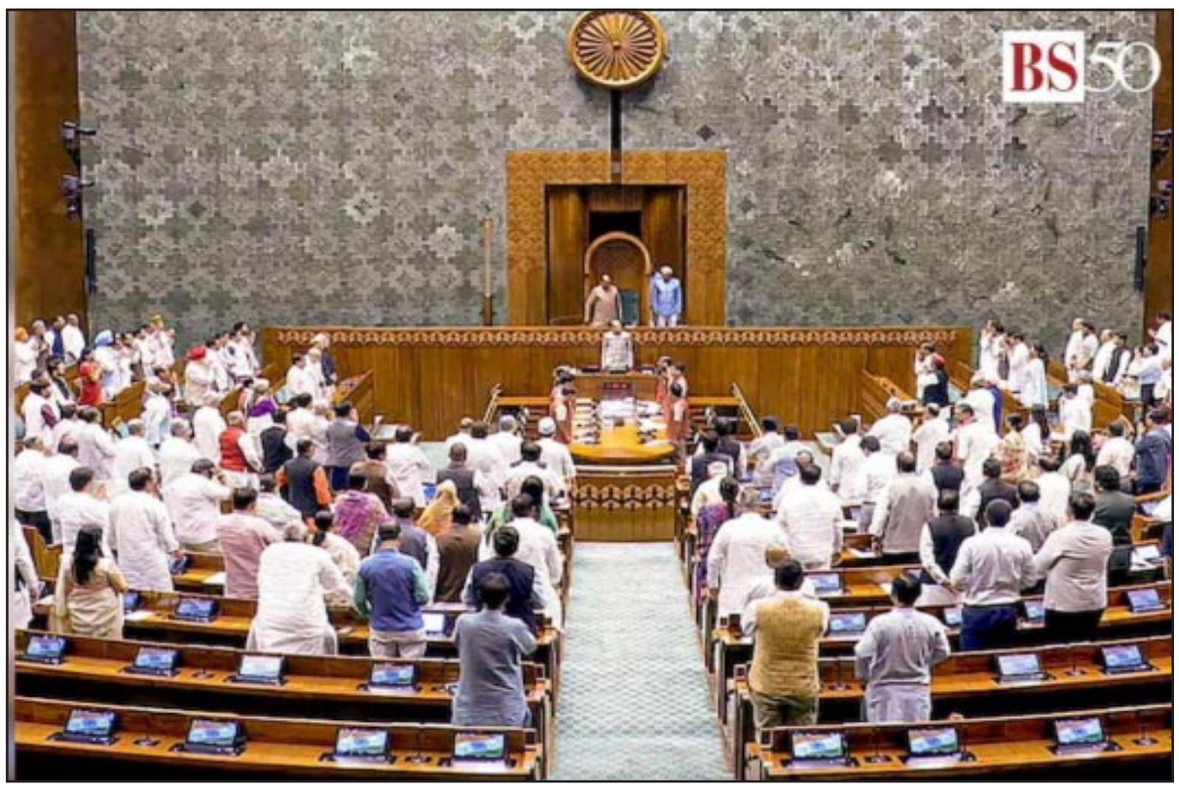

वर्ष 2019 के चुनावी साल में अंतरिम और पूर्ण बजट में जहां बहुत ज्यादा बदलाव देखने को नहीं मिला था, इसके उलट इस बार के बजट और इसे लेकर आ रही प्रतिक्रियाओं में नई लोक सभा की झलक साफ दिखती है, जिसमें भाजपा सदस्यों की संख्या कम हो गई है और तेदेपा और जदयू पर सरकार की निर्भरता बढ़ गई है। बजट भाषण में बिहार और आंध्र प्रदेश का कई बार जिक्र किया गया।

जब बाढ़ से ग्रस्त बिहार जैसे राज्यों के लिए केंद्रीय वित्त मंत्री ने मदद का ऐलान तो एर्नाकुलम से कांग्रेस सांसद हिबी ईडन ने सवाल उठाया कि केरल के लिए क्या दिया। इस पर तमाम सांसद हंसने लगे। इसके बाद वित्त मंत्री ने जब बिहार के नालंदा और राजगीर जैसे पर्यटन केंद्रों की विकास परियोजनाओं के लिए आवंटन का ऐलान किया तो द्रमुक सांसद दयानिधि मारन ने पूछा कि तमिलनाडु का क्या होगा? इसी प्रकार एनसीपी नेता सुप्रिया सुले ने कहा, यह आंध्र प्रदेश और बिहार का बजट है।

बजट पेश करने के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बिजनेस स्टैंडर्ड से कहा कि अंतरिम और पूर्ण बजट में बहुत ज्यादा बदलाव नहीं है। उन्होंने कहा, 'मैं अंतरिम बजट के मूल भाव से बिल्कुल नहीं भटकी। आंध्र प्रदेश को विशेष पैकेज के बारे में उन्होंने कहा कि राज्य की नई राजधानी अमरावती को वित्तीय मदद देना बहुत जरूरी था। संभवतरू लोक सभा के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ जब सदन में प्रवेश करते हुए लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला का स्वागत भारत माता की जय और अस्सलामुअलैकुम की गूंज के साथ हुआ। मोदी-मोदी और जय श्रीराम का नारे की आवाज इस बार बहुत हल्की थी।

सदन में शुरुआत से ही बिहार के एक सांसद बार-बार कह रहे थे, मैडम, बिहार को भी कुछ दीजिए।' बजट भाषण में जब-जब आंध्र प्रदेश के शहरों-कस्बों का जिक्र आता तो कांग्रेस सांसद जोर-जोर से चिल्लाते, 'कुर्सी बचाओ3

बजट भाषण के दौरान ऐसे भी क्षण आए जब सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की ओर से तालियों की गूंज सुनाई दी। कैंसर का पता लगाने वाले कुछ उपकरणों पर कस्टम ड्यूटी में छूट का जैसे ही ऐलान हुआ, दोनों तरफ की मेजों पर तालियां बजने लगीं।

यही नहीं, अलग-अलग रंग सदन में बदले राजनीतिक परिदृश्य को भी परिलक्षित कर रहे थे। समाजवादी पार्टी के सांसदों ने लाल टोपी पहनी थी। वहीं, तृणमूल कांग्रेस के कुछ सांसद आसमानी रंग की जैकेट पहने हुए थे। इसके अलावा, भाजपा का भगवा और तेदेपा का रंग गहरा पीला भी खूब झलक रहा था। शायद पहली बार सदन की दर्शक दीर्घा में बड़ी संख्या में अतिथि भगवा पहने दिखाई दिए।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जब घर से संसद जाने के लिए निकलीं तो उन्होंने अपनी बेटी वांग्मयी और अपने परिवार के अन्य सदस्यों को हाथ हिलाकर अभिवादन किया। आज के लिए उन्होंने अपने पहनावे में हल्के मगर शानदार-शाही रंगों का चयन किया था। सीतारमण ने बैगनी रंग के चैड़े बॉर्डर वाली जरी से सजी सफेद साड़ी पहनी थी। मैसूर क्रैप सिल्क ऐसा कपड़ा है, जो कर्नाटक के अलावा कोई अन्य राज्य नहीं बुन सकता। इसमें उन्होंने अपने राज्य के रंग का खास ख्याल रखा गया, जहां से चुनकर आती हैं।

पूंजीगत लाभ कर ढांचे को सहज बनाना बजट की अच्छी बात

मंगलवार को प्रस्तुत केंद्रीय बजट में एक अच्छी बात रही पूंजीगत लाभ ढांचे को सहज बनाना। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि चुनिंदा वित्तीय परिसंपत्तियों पर अल्पावधि का पूंजीगत लाभ कर 2० फीसदी की दर से लगाया जाएगा जबकि पहले यह 15 फीसदी की दर से लगाया जाता था। अन्य सभी वित्तीय एवं गैर वित्तीय परिसंपत्तियों पर उसी दर से कर लगेगा। इसका अर्थ यह हुआ कि शेयर बाजार में अल्पावधि में होने वाले लाभ पर 2० फीसदी की दर से कर चुकता करना होगा। इसके अलावा सभी वित्तीय और गैर वित्तीय परिसंपत्तियों पर होने वाले दीर्घकालिक लाभ पर 12.5 फीसदी की दर से कर लगेगा।

सूचीबद्ध शेयरों पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर की दर 1० फीसदी थी। लंबी अवधि के कर और अल्पावधि के कर के बीच के अंतर को बढ़ाने वाले कारणों में से एक पूंजी बाजार में दीर्घकालिक निवेश को बढ़ावा देना भी हो सकता है। खासतौर पर परिवारों द्वारा किए जाने वाले निवेश के मामले में।

निवेशकों की कम आय वाली श्रेणी की बात करें तो वित्त मंत्री ने पूंजीगत लाभ के मामले में रियायत की सीमा को 1 लाख से बढ़ाकर 1.25 लाख रुपये कर दिया है। सूचीबद्ध वित्तीय परिसंपत्तियों को अगर एक वर्ष से अधिक अवधि तक रखा गया तो उन्हें दीर्घकालिक माना जाएगा।

गैर सूचीबद्ध वित्तीय और गैर वित्तीय परिसंपत्तियों के मामले में उन्हें दो वर्ष तक धारण करने पर ही उन्हें दीर्घकालिक माना जाएगा। गैर सूचीबद्ध बॉन्ड और डिबेंचर और डेट म्युचुअल फंड पर लागू दर से ही पूंजीगत लाभ कर लगेगा।

बजट के दिन सूचीबद्ध शेयरों पर पूंजीगत लाभ कर बढ़ाने की घोषणा ने शेयर बाजारों को प्रभावित किया। इसके चलते कीमतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। हालांकि मानक सूचकांकों ने कारोबार समाप्त होते-होते काफी हद तक नुकसान की भरपाई कर ली।

अचल संपत्ति के क्षेत्र में भी चिंता थी क्योंकि पूंजीगत लाभ पर अब 12.5 फीसदी की दर से कर लगेगा और वह भी बिना इंडेक्सेशन लाभ के। पहले इंडेक्सेशन के साथ इस पर 2० फीसदी की दर से कर लगता था। बहरहाल, जैसा कि सरकार ने स्पष्ट किया है, इससे अचल संपत्ति के अधिकांश निवेशकों को लाभ होगा। अगर लाभ का इस्तेमाल 1० करोड़ रुपये तक की कीमत का घर खरीदने या बनाने में किया जाएगा तो कर छूट मिलेगी। अगर चुनिंदा बॉन्ड में 5० लाख रुपये तक का निवेश किया जाए तो भी छूट मिलेगी। प्रस्तावित बदलाव के दो परस्पर निर्भर लक्ष्य हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि मूल विचार है कर ढांचे को सरल बनाना। यह भी उम्मीद है कि सरल कर ढांचा कर संग्रह में सुधार में मददगार साबित होगा। बाजार को बिना कठिनाई के उच्च कर दर से समायोजित हो जाना चाहिए। व्यापक स्तर पर देखें तो अगर अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन बेहतर बना रहता है, जो कि आय और शेयर कीमतों में तेजी के रूप में देखा जा सकता है तो बाजार को दिक्कत नहीं होनी चाहिए।

कुछ विकसित देशों में पूंजीगत लाभ पर अधिक कर लगता है। वित्तीय बाजारों से होने वाली आय पर उच्च कर भी प्रगतिशील कदम है। यह समाज का वह तबका है जो पूंजी बाजारों में निवेश करता है और उससे लाभान्वित होता है। बहरहाल, कराधान के मोर्चे पर अनिश्चितता निवेशकों को परेशान कर सकती है। वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में यह भी कहा कि सरकार अगले छह महीनों में आयकर अधिनियम 1961 की समीक्षा करेगी। समीक्षा के बाद पूंजीगत लाभ कर ढांचे में और बदलाव आ सकता है।

खेल-खिलाड़ी

पूर्व बल्लेबाजी कोच ने किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली। वनडे विश्व कप 2023 में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया था। रोहित शर्मा के नेतृत्व में टीम ने ग्रुप स्टेज पर लगातार 1० मैचों में जीत दर्ज की थी। हालांकि, फाइनल मैच में उन्हें ऑस्ट्रेलिया के हाथों करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा था। इस मैच के बाद भारतीय टीम पर पिच के साथ छेड़छाड़ के आरोप लगे थे।

इस पर अब पूर्व बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने सफाई पेश की है। उन्होंने इन आरोपों से इनकार किया है। भारत की मेजबानी में वनडे विश्व कप 2023 का फाइनल मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम 5० ओवर में 24० रन पर ढेर हो गई थी। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने ट्रैविस हेड की 12० गेंदों पर 137 रनों की धमाकेदार पारी की मदद से 43 ओवर में लक्ष्य का आसानी से पीछा कर लिया था। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने छह विकेट से जीत दर्ज कर खिताब पर कब्जा जमाया था। भारत की हार के बाद फाइनल के लिए इस्तेमाल की गई पिच की विश्व स्तर पर आलोचना हुई थी। अब पूर्व बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने इन आरोपों पर खुलकर बात की और कहा कि टीम प्रबंधन ने सोचा था कि जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ेगा, सतह धीमी होती जाएगी, लेकिन अंत में यह बल्लेबाजी के लिए बेहतर हो गई। राठौर ने कहा, मैंने यह कहानी सुनी है कि पिच अलग थी, जिससे मैं बिल्कुल सहमत नहीं हूं। फाइनल में, खेल आगे बढ़ने के साथ पिच में सुधार हुआ, हमें उम्मीद थी कि यह धीमी होगी, जो नहीं हुई, तो ऐसा क्यों हुआ हां, हम और रन बना सकते थे। बहुत सारे अगर-मगर हैं, लेकिन एक बात पक्की है कि टूर्नामेंट जीतने के लिए आपको थोड़ी किस्मत की जरूरत होती है और उस दिन, ऑस्ट्रेलिया हमसे ज्यादा भाग्यशाली था। उन्होंने हमसे बेहतर क्रिकेट खेला। और यही कारण है कि वे जीते।

पांच साल में होगी मेगा नीलामी, टीमों ने रिटेंशन को लेकर भी की यह मांग

नई दिल्ली। आईपीएल के 18वें सीजन से पहले इस साल मेगा नीलामी का आयोजन होगा। इस दौरान फ्रेंचाइजी खिलाड़ियों को रिटेन और रिलीज करना होगा। इससे पहले फ्रेंचाइजियों ने तीन बदलावों की मांग की है। इसमें मेगा नीलामी की अवधि, खिलाड़ियों के रिटेंशन की संख्या और राइट टू मैच के मुद्दे शामिल हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबकि, फ्रेंचाइजियों ने हाल ही में आईपीएल के अधिकारियों से मुलाकात की थी। इस दौरान टीमों ने आईपीएल के तीन नियमों में बदलाव की मांग की। मेगा नीलामी से पहले हुई इस बैठक में फ्रेंचाइजियों ने मेगा ऑक्शन की अवधि को पांच साल बढ़ाने की मांग की। इसके अलावा टीमों को चार से छह खिलाड़ियों को रिटेन करने की इजाजत दी जाए और हर टीम को कम से कम आठ राइट टू मैच (आरटीएम) का ऑप्शन दिया जाए। हालांकि, अब तक इनको लेकर कोई फैसला नहीं लिया गया है।

मेगा नीलामी को हर पांच साल में कराने की मांग के पीछे का कारण यह है कि इससे युवा खिलाड़ियों को तैयार होने का मौका मिलेगा। इससे अनकैप्ड खिलाड़ियों को लाभ मिलेगा और वह अपने खेल को सुधारने में कामयाब होंगे। बता दें, फिलहाल आईपीएल की मेगा नीलामी हर तीन साल में होती है।

इस मीटिंग में फ्रेंचाइजियों ने आईपीएल अधिकारियों से राइट टू मैच (आरटीएम) ऑप्शन में बदलाव की मांग की। टीमें चाहती हैं कि मेगा नीलामी से पहले इसे आठ कर दिया जाए। अगर ऐसा होता है तो टीमों को अपने पुराने खिलाड़ियों को सबसे बड़ी बोली से मैच कराकर टीम में दोबारा शामिल करने में सहजता होगी।

अमर भास्कर

(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)

- वरिष्ठ संरक्षक : वेदभानु आर्य
- संरक्षक : हामिद अली खाँ
- संरक्षक : सुरेश प्रसाद शर्मा
- प्रधान संपादक : फरीद क़ादरी
- संपादक : अबरार अहमद
- कानूनी सला. : मुहम्मद फुरकान, एड.
- व्यवस्थापक : ठा. वेदपाल सिंह
- मैनेजर : केपी यादव

हमारे यूट्यूब चैनल *Amar Bhaskar News* को सब्सक्राइब करें वैल आइकॉन दबाना न भूलें।

-सर्वेश उपाध्याय, मैनेजिंग एडिटर*

अगर आपके पास भी है कोई कविता, रचना, लेख, गजल एवं छंद तो हमें लिख भेजिए, हमारा पता है:-

अमर भास्कर कार्यालय

निकट होटल रिजेन्सी, लावेला चौक बदायूं (उ.प्र.)।

पिन कोड-243601

Email- amarbhashkar21@gmail.com

Whatsapp. No. 9411214614

गंगोत्री हाईवे पर आया फिर भारी मलबा-बोल्डर

अमर भास्कर, ब्यूरो

उत्तरखंड। गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग भटवाड़ी व गंगनानी के बीच में मलबा व बोल्डर आने के कारण बाधित हो गया। गंगोत्री हाईवे पर समस्या बरकरार है। बुधवार को भी बिशनपुर में बोल्डर और मलबा आने के कारण सुबह गंगोत्री हाईवे बंद हो गया। इसके चलते पैदल कांवड़ यात्रियों के साथ ही कई वाहन हाईवे पर ही फंस गए थे।

एनडीआरएफ ने बोल्डर और मलबे के बीच ही रोप लगाकर कांवड़ यात्रियों को सुरक्षित निकाला और फिर उनकी यात्रा सुचारू करवाई। वहीं 12 घंटे की मशक्कत के बाद बीआरओ ने हाईवे खोला जिसके बाद वाहनों की आवाजाही भी सुचारू हो गई। दरअसल, मंगलवार रात को जिले में जोरदार बारिश हुई। इसके चलते बुधवार सुबह नेताला, बिशनपुर और सैंज में मलबा और बोल्डर आने के कारण गंगोत्री हाईवे बंद हो गया। हालांकि बीआरओ ने नेताला और सैंज में करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद हाईवे पर वाहनों की आवाजाही शुरू करवा दी थी, लेकिन बिशनपुर में भारी मात्रा में मलबा और बोल्डर आने के कारण गंगोत्री हाईवे खोलने में मशक्कत करनी पड़ी।

दोपहर तक जब हाईवे नहीं खुल पाया तो प्रशासन के निर्देश पर एनडीआरएफ के जवानों ने मोर्चा संभाला। आज गंगोत्री हाईवे मलबा बोल्डर आने से भटवाड़ी व गंगनानी में बंद है। जिस कारण लोगों को लागातार समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

12 गांवों के प्रधान और सचिवों के खिलाफ गबन की जांच शुरू

अमर भास्कर, ब्यूरो

मुरादाबाद। ग्राम पंचायत के खातों से सरकारी धन निकालने और उसका हिसाब नहीं मिलने पर 12 से अधिक गांवों के प्रधान और सचिव की जांच शुरू हो गई है। सीडीओ के नेतृत्व में एक टीम 18 बिंदुओं पर जांच कर रही है। जांच रिपोर्ट विधानसभा की उच्च समिति को सौंपी जाएगी।

डीपीआरओ वाचस्पति ने बताया कि विधानसभा की उच्च समिति के समक्ष पेश हुए थे। समिति के समक्ष उन्होंने 2016-17 के पंचायत के खातों से विकास कार्यों के एवज में हुए सरकारी धन के लेनदेन मामले की ऑडिट रिपोर्ट को प्रस्तुत किया।

इस मामले में समिति ने सात बिंदुओं पर सहमति जताई लेकिन 18 अन्य बिंदुओं पर सीडीओ के नेतृत्व में समिति गठित कर जांच करने के निर्देश दिए। आरोप है कि 18 बिंदुओं पर ऑडिट टीम ने आपत्ति लगाई थी। इस मामले में सीडीओ ने जांच के लिए एक समिति गठित की है। इसमें जिला लेखा पंचायत अधिकारी और डीपीआरओ भी शामिल हैं।

जिला स्तरीय समिति अपनी जांच रिपोर्ट विधानसभा की उच्च समिति को सौंपेगी। डीपीआरओ का कहना है कि जांच के दायरे में करीब एक दर्जन ग्राम पंचायतों के खाते आएंगे। अभी जिला स्तरीय समिति की बैठक नहीं हुई है।

ग्राम पंचायत के खाते से निकाली गई धनराशि खर्च करने के बाउचर न दिखाने और डीपीआरओ कार्यालय से जारी नोटिस का जवाब न देने पर दो पूर्व प्रधान और दो पूर्व सचिव सरकारी धनराशि का गबन के आरोप में फंस गए हैं। डीएम ने चारों से सरकारी धनराशि वसूलने के आदेश दिए है। ब्लॉक कार्यालय के अनुसार जिला लेखा परीक्षा अधिकारी पंचायत के वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2016-17 में ग्राम पंचायत मनकूला के लंबित ऑडिट में 29,075 रुपये की राशि के खर्च के बाउचर तत्कालीन प्रधान व सचिव ने ऑडिट टीम को उपलब्ध नहीं कराए है।

किशोरी का जबरन धर्म परिवर्तन, युवक से कराया निकाह

मझोला। थाना क्षेत्र में 16 वर्षीय किशोरी को अगवा कर उसका धर्म परिवर्तन करा दिया गया। इसके बाद किशोरी का एक युवक से निकाह भी करा दिया। पुलिस ने इस मामले में आरोपी युवक और उसके भाइयों खिलाफ केस दर्ज किया है।

पुलिस किशोरी की बरामदगी और आरोपियों की गिरफ्तारी में जुटी है। किशोरी की मां ने मझोला थाने में केस दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी बेटी कक्षा नौ में पढ़ती है। 21 जुलाई को वह घर से गायब हो गई। काफी तलाश के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं लगा।

बाद में उसे पता चला कि राजा बाबू अपने भाई मेहरबान अली, शमशेर अली निवासी रेलवे हरथला कॉलोनी की मदद से उसकी बेटी को अगवा कर ले गया है। महिला ने आरोपियों के घर बेटी के बारे में पूछने गई तो आरोपी उसे धमकी देने लगे कि अगर केस दर्ज कराया तुम्हारे बेटे की हत्या कर देंगे। हमने किशोरी का धर्म परिवर्तन कराकर राजा बाबू से उसका निकाह करा दिया है। अब उसकी तलाश बंद कर दो। सीओ सिविल लाइंस अर्पित कपूर ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया गया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है। मझोला थाना क्षेत्र में रहने वाले एक अधिवक्ता ने चंदौसी निवासी अधिवक्ता पर भगवान श्रीराम पर अभद्र टिप्पणी करने के आरोप में केस दर्ज कराया है। बुद्धि विहार निवासी अधिवक्ता विजेंद्र सिंह ने मझोला थाने में दर्ज कराए केस में बताया कि 19 अप्रैल 2024 को वह अपने साथी शरद वर्मा, सुरेश पाल, अरविंद मोहन के साथ रात में टहल रहे थे।

इसी बीच उसके फोन पर बदायूं के शिवपुरी निवासी नीरेश अरुण की कॉल आई। नीरेश अरुण चंदौसी में रहते हैं और वहीं कचहरी में प्रैक्टिस करते है। विजेंद्र सिंह का कहना है कि उन्होंने फोन पर राम-राम कहा तो नीरेश अरुण भड़क गए और गाली-गलौज करते हुए भगवान श्रीराम पर अभद्र टिप्पणी की।

परिवार वाले शव दफनाने जा रहे थे, तभी सामने आ गया बेटा सरफराज

मुरादाबाद। छजलैट के खुशहालपुर गांव में चैंकाने वाला मामला सामने आया। एक दिन पहले लापता हुए सरफराज उर्फ नन्हे के परिजन और ग्रामीण करूला नदी में मिले शव को उसका समझकर दफनाने जा रहे थे। इसी दौरान सरफराज घर लौट आया। उसे देखकर परिजन खुशियां मनाने लगे।

मामले की जानकारी मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में ले लिया। साथ ही सरफराज व उसके परिजनों से पूछताछ की। छजलैट थाना क्षेत्र के खुशहालपुर निवासी सरफराज उर्फ नन्हे (35) का मंगलवार को पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था।

इसके बाद सरफराज नाराज होकर घर से कहीं निकल गया। देर रात तक परिजन और ग्रामीण उसकी तलाश करते रहे, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। बुधवार सुबह परिजन और ग्रामीण फिर तलाश में जुट गए। इसी दौरान गांव से करीब 700 मीटर दूर अमरोहा जनपद के सिहाली नारायणपुर गांव के पास करूला नदी में पुल के पास एक युवक का शव पड़ा दिखाई दिया।

जानकारी मिलने पर सरफराज के परिजन भी पहुंच गए। उन्होंने अंगोछे और कपड़ों से शव की पहचान सरफराज के रूप में कर ली और शव को उठाकर घर ले आए। परिजन शव दफनाने जा रहे थे तभी सरफराज घर पहुंच गया। उसे सही सलामत देखकर परिजन व ग्रामीण हैरान रह गए। मामले की जानकारी मिलने पर छजलैट थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने परिजनों से लिखित में लिया कि सरफराज जिंदा है। वह अपनी पत्नी से नाराज होकर कहीं चला गया था। इसके बाद पुलिस ने नदी में मिले शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सरफराज उर्फ नन्हे के घर लौटने के बाद नदी में मिले शव की पहचान कराने में पुलिस दोबारा जुट गई। पुलिस ने आसपास के जनपदों में सूचना भेजने के साथ ही सोशल मीडिया पर भी मृतक के फोटो शेयर किए हैं, जिससे पहचान कराने में मदद मिल सके।

सार-संक्षेप

कोटद्वार में गढ़वाल वीरता सम्मान 2024 का आयोजन, पहुंचे अतिथि

अमर भास्कर, ब्यूरो

देहरादून। कोटद्वार में आयोजित कार्यक्रम में सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी एवं विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी बतौरा मुख्य अतिथि पहुंचीं। कारगिल विजय दिवस पर अमर उजाला की ओर से गढ़वाल वीरता सम्मान 2024 का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी एवं विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ओम प्रकाश परसवान ने कारगिल विजय दिवस के संबंध में शौर्य गाथा सुनाई। डा. पद्मेश बुड़ाकोटी के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में स्वाभिमान न्यास झंडीचैड़ योग टीम के युवाओं ने हैरतंगेज योगासन से भाव विभोर किया। राजकीय कन्या इंटर कॉलेज कोटद्वार की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

आदर्श विद्या निकेतन हल्दुखाता की टीम ने मनमोहक बैंड धुन के माध्यम से देशभक्ति भाव से ओतप्रोत प्रस्तुति दी। जीआईसी कोटद्वार के विद्यार्थियों ने जरा याद करो कुर्बानी, गीत गाकर वीर जवानों को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर जवानों के परिजनों के अलावा एसडीएम सोहन सैनी, भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेंद्र रावत, शिवकुमार गुप्ता सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

डेटलाइन खत्म होने के बाद भी मसूरी अकादमी नहीं पहुंचीं ट्रेनी आईएएस अधिकारी

अमर भास्कर, ब्यूरो

उत्तराखंड। यूपीएससी में नियुक्ति को लेकर विवादों में आई ट्रेनी आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर बुधवार को भी लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी नहीं पहुंच सकी। उनको 23 जुलाई तक अकादमी पहुंचकर रिपोर्ट करनी थी। तय डेटलाइन खत्म होने के बाद भी वह अकादमी नहीं पहुंचीं।

ट्रेनी आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर गलत मेडिकल रिपोर्ट और तथ्यों को गलत तरीके से पेश करने और आरक्षण आदि कई आरोपों से घिरी हैं। आरोपों की जांच चल रही है। पूजा खेडकर को 23 जुलाई तक अकादमी में पहुंचना था, लेकिन वह 24 जुलाई तक भी नहीं पहुंची हैं। सूत्रों के मुताबिक अकादमी नहीं पहुंचने पर अकादमी प्रशासन की ओर से ट्रेनी अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई करने पर विचार किया जा रहा है।

महिला शक्ति संगठन की मासिक बैठक का हुआ आयोजन

अमर भास्कर, ब्यूरो

संभल। गुरुवार को सराय तरीन स्थित तेजराम कोठी पर महिला शक्ति संगठन की वार्षिक बैठक का आयोजन संगठन की सदस्य गायत्री आर्य के आवास पर हुआ।

संगठन की महिलाएं इस बैठक में शामिल हुई। जिसमें आगामी त्यौहार तीज उत्सव के प्रोग्राम की रूपरेखा तैयार की गई और 4 अगस्त को हयात नगर के जर्मनी वाले मंदिर पर प्रोग्राम करने की तारीख रखी गई इतना ही नहीं संगठन की अध्यक्ष दीपा वार्ष्णेय ने कहां की हरियाली तीज उत्सव महिलाओं का त्यौहार है। इस दिन महिलाएं सोलह सिंगार और अपने पति की दीर्घायु की कामना करती है।

दिव्यांगों ने प्रधान मन्त्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा

अमर भास्कर, ब्यूरो

सम्भल। उपजिलाधिकारी कार्यालय पर राष्ट्रीय विकलांग एवं महिला शक्तिकरण विकास फाऊंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद कासिम के नेतृत्व में दिव्यांग एकत्र हुए और अपनी मांगों को लेकर प्रधान मन्त्री को संबोधित 11 सूत्रीय ज्ञापन एसडीएम सम्भल को सौंपा गया।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन को बढ़ाकर 5000 रूपये किया जाये।दिव्यांगों के लिए सरकार द्वारा संचालित योजनाओं एवं उनकी सुरक्षा के लिए बने। नियमों का सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं की मदद से जमीनी स्तर पर प्रचार प्रसार हो ताकि अधिक से अधिक दिव्यांग इन सुविधाओं का लाभ ले सकें।

दिव्यांगों को शिक्षा से जोड़ने के लिए उचित प्रबंध कराये जायें। दिव्यांगता की वजह से अधिकतर दिव्यांग उच्च शिक्षा तो दूर बुनियादी शिक्षा भी ग्रहण करने में असमर्थ दिव्यांगों के लिए ब्लॉक स्तर पर एक अलग न्यायालय स्थापित किए जाए एवं ब्लॉक स्तर पर कार्यकारिणी स्थापित कर उनको एडवोकेसी प्रदान की जाये ताकि उनकी समस्याओं को जानकर उचित समाधान किया जाय।

बौद्धिक अक्षमता वाले दिव्यांग एवं 80 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले दिव्यांगों का जीवित होने का वेरिफिकेशन घर बैठ कर शुरू किया जाये। बौद्धिक दिव्यांगों के लिए ब्लॉक स्तर पर डे केयर एवं पुनर्वास केंद्र खोले जायें जहां उनके माता पिता उनको छोड़कर आजीविका कमाने जा सकें और उन्हें उचित ध्यान मिल सके। देखने में आया है ऐसे लोगों को घर पर जंजीरों से बांध कर या कमरे में बंद छोड़कर जाया जाता है। दिव्यॉगों का वर्ष 2016 का एक्ट सरकार द्वारा जमीनी स्तर पर लागू करना चाहिए।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आईजीआरएस पोर्टल से संबंधित समीक्षा बैठक का किया गया आयोजन

संभल। कलेक्ट्रेट सभागार बहजोई में जिलाधिकारी डॉ राजेंद्र पैंसिया की अध्यक्षता में आईजीआरएस पोर्टल से संबंधित समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें डिप्टी कलेक्टर वंदना मिश्रा ने विभिन्न विभागों की आईजीआरएस पोर्टल पर लंबित शिकायत एवं डिफॉल्टर शिकायत एवं शिकायतों के निस्तारण के संबंध में जिलाधिकारी को अवगत कराया।

जिलाधिकारी ने जिला प्रोबेशन अधिकारी एवं जिला पूर्ति अधिकारी तथा एस ओ सी चकबंदी की लंबित शिकायतों को लेकर नाराजगी व्यक्त की जिला प्रोबेशन अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि शिकायतों को गुणवत्तापूर्ण एवं शीघ्र निस्तारण कराना सुनिश्चित करें एस.ओ.सी चकबंदी की लंबित शिकायतों को लेकर जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि प्रतिदिन शिकायतों को संज्ञान में लेते हुए निस्तारण करें जिससे कोई शिकायत लंबित न रहे। जिला पूर्ति अधिकारी की लंबित शिकायतों को लेकर जिलाधिकारी ने जिला पूर्ति अधिकारी से कहा कि तहसील गुन्नौर के ग्राम चबूतरा की शिकायत जो की लंबित है। उसका स्थलीय निरीक्षण करते हुए निस्तारण कराना सुनिश्चित करें विकासखंड रजपुरा के विकासखंड अधिकारी की लंबित शिकायतों को लेकर जिलाधिकारी ने कहा कि जो शिकायत आ रही हैं। उनका स्थलीय निरीक्षण करते हुए शिकायत का निस्तारण करें एवं निस्तारण के दौरान दो गवाहों एवं उनके मोबाइल नंबर सहित फोटो अपलोड किए जाएं।

एक्स ई एन चंदौसी विद्युत, जिला अभिहित अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग, समाज कल्याण विभाग, कृषि विभाग इत्यादि विभागों की लंबित शिकायतों को लेकर जिलाधिकारी ने जानकारी प्राप्त की एवं संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि यथाशीघ्र शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आगामी बैठक में आईजीआरएस देख रहे कंप्यूटर ऑपरेटरों को भी बैठक में साथ लेकर आएं। जिससे लंबित शिकायत के बारे में अच्छे से समझ सकें।

ताकि लंबित शिकायत का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जा सके प्रत्येक अधिकारी आईजीआरएस पोर्टल पर अपने विभाग से संबंधित शिकायतों को चैक करते हुए शीघ्र निस्तारण की कार्रवाई सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने समस्त अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि कार्यालयों में साफ- सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए।

कार्यालयों में कोई भी धुम्रपान करते पाया जाए तो उस पर कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर तरन्नुम रजा, उप जिलाधिकारी चंदौसी नीतू रानी, उप जिलाधिकारी संभल विनय कुमार मिश्रा, परियोजना निदेशक डीआरडीए ज्ञान सिंह, डिप्टी कलेक्टर वंदना मिश्रा, उपेंद्र कुमार पांडेय एवं संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कारगिल विजय दिवस पर भाजपा युवा मोर्चा ने निकाला मशाल जुलूस, लगाई प्रदर्शनी

अमर भास्कर, ब्यूरो

कासगंज। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा ने गुरुवार को कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष में मशाल जुलूस निकाला। जुलूस का आयोजन युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष कुलदीप प्रतिहार के नेतृत्व में हुआ। मशाल जुलूस बारह पत्थर मैदान से शुरू होकर मुख्य बाजार, घंटाघर, नदरई गेट स्थित रानी लक्ष्मी बाई कम्युनिटी हॉल प्रभु पार्क संपन हुआ।

जिलाध्यक्ष कुलदीप प्रतिहार एवं कुशल खितौलिया ने कम्युनिटी हॉल में विजय दीप प्रज्वलित कर प्रदर्शनी लगाई, जो कि 25 घंटों तक लगी रहेगी एवं विजय दीप 25 घंटों प्रज्वलित रहेगा। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष केपी सिंह सोलंकी ने कहा कि कारगिल युद्ध पड़ोसी देश पाकिस्तान की नापाक सोच का परिणाम था।

जिस पर भारत के कुशल नेतृत्व की नेक नीति एवं सेना का शौर्य भारी पड़ा और युद्ध में सफलता हासिल की। कुलदीप प्रतिहार ने कहा कि कारगिल युद्ध की विजय जाबाजों के शौर्य का प्रमाण है। कार्यक्रम प्रवासी कुशल खितौलिया ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

धूम्रपान निषेध अभियानः डीएम

संभल। जिलाधिकारी डॉ राजेंद्र पैंसिया के निर्देशानुसार कलक्ट्रेट परिसर में धूम्रपान निषेध अभियान चलाया गया। जिसमें जिला संयुक्त चिकित्सालय संभल के आयुष भंडारी तथा ऋषभ की टीम द्वारा परिसर तथा कार्यालयों को चैक किया गया तथा नशीले पदार्थ, तंबाकू, सिगरेट, बीड़ी, गुटखा का सेवन करने वाले व्यक्तियों को बारी-बारी से चैक किया। धूम्रपान, तंबाकू इत्यादि का प्रयोग करने वाले दस लोगों से 200-200 रुपए का अर्थदंड वसूल किया गया एवं सभी को नशे से होने वाले रोग के प्रति जागरूक किया और उन्होंने बताया कि धूम्रपान से कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

उच्च प्राथमिक विद्यालय मात्र एक अनुदेशक के सहारे शिक्षा विभाग बैठा मौन

अमर भास्कर, ब्यूरो

संभल। जिले में जिलाधिकारी राजेंद्र पैसिया ने जनपद संभल का चार्ज संभालते ही जनपद संभल में शिक्षा ग्रहण करने वाले बच्चों का विशेष ध्यान रखते हुए सबसे पहले शिक्षा विभाग को संज्ञान में लिया है। क्योंकि अधिकतर परिषदी, विद्यालयों में गरीब बच्चे ही शिक्षा पाने के लिए जाते और उनके अभिभावकों के पास इतना पैसा नहीं होता जिससे कि मॉडर्न स्कूलों में प्रवेश दिला सकें। लेकिन जिलाधिकारी के इतना बड़ा संज्ञान लेने के बाद भी शिक्षा विभाग आंखें बंद करके बैठा हुआ है।

विकासखंड पवांसा की ग्राम पंचायत निबौरा का उच्च प्राथमिक विद्यालय मात्र एक अनुदेशक के सहारे चल रहा है। जिसमें दो और

अध्यापक प्रधानाध्यापक अमर सिंह तथा सहायक अध्यापक अमित बाष्णेय की तैनाती है। लेकिन सोचने वाला विषय यह है। कि दोनों अध्यापकों को एआरपी का कार्य संभालने की जिम्मेदारी दे दी गई है।

ऐसी स्थिति में मात्र एक ही अनुदेशक पूरे विद्यालय की कमान संभाल रही है। ग्रामीणों ने शिक्षा विभाग पर आरोप लगाते हुए बताया कि पहले उच्च प्राथमिक विद्यालय में बच्चों की संख्या काफी थी लेकिन अध्यापक नहीं होने के कारण हर साल बच्चों की संख्या घटती जा रही है। और बच्चों की संख्या घटते घटते लगभग 45 रह गई है। जिसमें गरीब बच्चों को काफी परेशानी हो रही है ग्रामीण अपने बच्चों को गांव के ही प्राइवेट स्कूल में पढ़ाने के लिए मजबूर हैं।

प्रचार के लिए कमला ने जुटाई करोड़ों की रकम

वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर सियासी गलियारों में लगातार हलचल मची हुई है। यहां आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। रिपब्लिकन की ओर से डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेट्स की तरफसे कमला हैरिस मैदान में हैं। दोनों प्रतिद्वंद्वी एक दूसरे को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। इस बीच, ट्रंप की प्रचार टीम ने संघीय चुनाव आयोग में एक शिकायत दी है।

उनका कहना है अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की प्रचार टीम द्वारा जुटाए गए धन को उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को नहीं सौंपा जा सकता।ट्रंप की प्रचार टीम के वकील डेविड वरिंगटन ने मंगलवार को शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने तर्क दिया कि हैरिस की प्रचार टीम को धन सौंपना 1971 के संघीय चुनाव अभियान अधिनियम का खुलेआम उल्लंघन होगा। हालांकि, हैरिस की प्रचार टीम ने इन आरोपों को निराधार बताया। वरिंगटन ने बाइडन द्वारा हैरिस को करीब 10 करोड़ डॉलर का योगदान देने का आरोप लगाया है। उन्होंने शिकायत में कहा कि यह इतिहास में सबसे बड़ा उल्लंघन हैं। आयोग चुप नहीं बैठ सकता, जब एक उम्मीदवार इतना धन ले रहा है। यह पूरी तरह से गलत है।

उनका कहना है, श्कमला हैरिस जो बाइडन के प्रचार अभियान द्वारा जुटाए गए 9.15 करोड़ डॉलर को पाने की कोशिश कर रही हैं। यह संघीय चुनाव अभियान अधिनियम 1971 के इतिहास में सबसे अधिक योगदान और उल्लंघन होगा।

उन्होंने आगे कहा कि अगर कमला हैरिस 2024 में किसी पद के लिए उम्मीदवार होतीं, तो संघीय कानून के अनुसार उन्हें उम्मीदवारी का एक बयान दाखिल करना होता और उनका नाम उनकी अधिकृत समिति के नाम पर दिखाई देना चाहिए। लेकिन कमला हैरिस का नाम उनकी कथित अधिकृत समिति, राष्ट्रपति पद के लिए बाइडनश् के नाम पर नहीं दिखाई देता है और रविवार तक उनके लिए उम्मीदवारी का कोई बयान मौजूद नहीं था।

हैरिस की प्रचार टीम के प्रवक्ता चार्ल्स क्रेचमर लुटवाक ने मंगलवार को शिकायत का जवाब देते हुए कहा, श्रिपब्लिकन जल सकते हैं कि डेमोक्रेट डोनाल्ड ट्रंप और उनके सहयोगियों को हराने के लिए उत्साहित हैं, लेकिन आधारहीन कानूनी दावे केवल उनका ध्यान भटकाएंगे, जबकि हम स्वयंसेवकों को शामिल कर रहे हैं, मतदाताओं से बात कर रहे हैं और यह चुनाव जीत रहे हैं।श्एफ्ईसी के एक प्रवक्ता ने प्रवर्तन मामलों पर चर्चा नहीं करने पर एजेंसी की नीति का हवाला देते हुए टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

सबसे बड़ी अधीनस्थ कोर्ट में कामकाज ठप

अब समय आ गया कि युद्ध को समाप्त किया जाए

वाशिंगटन। अमेरिका की सबसे बड़ी अधीनस्थ अदालत सुपीरियर कोर्ट ऑफ लॉस एंजिलिस काउंटी पिछले सप्ताह रैनसमवेयर हमले के कारण बंद रही। अदालत के अधिकारियों ने बताया कि यह सप्ताहांत तक बंद रही। अदालतें शुक्रवार को काम- काज के लिए खुली रहीं लेकिन काउंटी की सभी 36 अदालतें सोमवार को नहीं खुलीं। पीठासीन जज सामंथा पी. जेसनर ने कहा, कोर्ट में अप्रत्याशित साइबर हमले से क्षति रोकने, सूचना की अखंडता-गोपनीयता की रक्षा करने तथा भविष्य में नेटवर्क स्थिरता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगभग सभी नेटवर्क प्रणालियों को बंद करना पड़ा। अब सभी 36 अदालतें भारतीय समयानुसार पुनरू बुधवार को खुलेंगी। अधिकारियों ने कहा, यह हमला माइक्रोसॉफ्ट से संबंधित सॉफ्टवेयर अपडेट की वजह से उपकरणों के प्रभावित होने की घटना से जुड़ा हुआ नहीं है।

जेरुशमल। हमास और इस्राइल बीते नौ महीने से जंग लड़ रहे हैं। इस्राइल द्वारा हमास को खत्म करने का संकल्प गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा है। गाजा में पैदा हुई मानवीय परिस्थितियों को लेकर देशभर में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इस बीच जानकारी सामने आई है कि अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस इस सप्ताह व्हाइट हाउस में इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात करेंगी। हालांकि, वह संसद के संयुक्त सत्र की अध्यक्षता नहीं कर पाएंगी।

उपराष्ट्रपति हैरिस के सहयोगी ने बताया, श्वह इस सप्ताह व्हाइट हाउस में इस्राइली पीएम से मुलाकात करेंगी। यह मुलाकात राष्ट्रपति जो बाइडन की बैठक से अलग होगी। उपराष्ट्रपति पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के लिए 24 जुलाई को इंडियानापोलिस की यात्रा कर रही हैं और संसद के संयुक्त सत्र में प्रधानमंत्री नेतन्याहू के संबोधन की

अध्यक्षता नहीं कर पाएंगी। आगे कहा, श्हमें उम्मीद है कि उपराष्ट्रपति अपने विचार व्यक्त करेंगी कि अब समय आ गया है कि युद्ध को इस तरह समाप्त किया जाए कि इस्राइल सुरक्षित हो, सभी बंधकों को रिहा किया जाए, गाजा में फ्लस्तीनी नागरिकों की पीड़ा समाप्त हो और फ्लस्तीनी लोग सम्मान, स्वतंत्रता और आत्मनिर्णय के अपने अधिकार का आनंद ले सकें। वे युद्धविराम समझौते पर सहमति बनाने के प्रयासों पर चर्चा करेंगी।श् नेतन्याहू बुधवार को अमेरिकी संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करने वाले हैं। यह चौथी बार होगा, जब नेतन्याहू संसद को संबोधित करेंगे। बता दें, इस तरह से किसी विदेशी नेता द्वारा संसद को संबोधित किया जाना सबसे अधिक है। संयुक्त सत्र की अध्यक्षता आम तौर पर संयुक्त राज्य अमेरिका की उपराष्ट्रपति करती हैं।

हालांकि, इंडियानापोलिस में अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के कारण हैरिस इसमें शामिल नहीं हो पाएंगी। प्रतिनिधि सभा के स्पीकर माइक जॉनसन ने नेतन्याहू को संयुक्त संबोधन के लिए आमंत्रित किया था और बैठक में शामिल नहीं होने के लिए हैरिस की आलोचना की। उन्होंने कहा, श्मैडम उपराष्ट्रपति, आप कहती हैं कि आप स्वतंत्र विश्व की नेता बनना चाहती हैं। फ्रि भी आप इस समय हमारे सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक सहयोगी के पीछे बैठने के लिए खुद को तैयार नहीं कर पा रही हैं। यह आपके लिए अच्छा नहीं है।

भारत एक रणनीतिक साझेदारः राइडर

वाशिंगटन। अमेरिका का रक्षा विभाग आए दिन भारत के साथ अपने संबंधों को सराहाता दिखता है। एक बार फ्रि पेंटागन ने साफकर दिया कि भारत एक रणनीतिक सहयोगी है और अमेरिका इस साझेदारी को विकसित करने के लिए तत्पर है। पेंटागन के प्रेस सचिव पैट राइडर ने मंगलवार को वाशिंगटन में एक संवाददाता सम्मेलन में यह बात कही। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि भारत एक रणनीतिक साझेदार है।

हम इस साझेदारी को आगे विकसित होते देखना चाहते हैं।श्यूक्रेन-रूस संघर्ष पर राइडर ने कहा, श्जब बात यूक्रेन और रूस के अवैध कब्जे और यूक्रेन पर हमले की बात आती है। आखिरकार यह यूक्रेन पर निर्भर करता है कि वह कब शांति के लिए बातचीत करने के लिए तैयार है। उन्होंने आगे कहा, अभी हमारा ध्यान यूक्रेन के साथ काम करने पर है ताकि उन्हें अपने देश की रक्षा करने, अपनी संप्रभुता की रक्षा करने और अपने क्षेत्र को वापस लेने के लिए जरूरी मदद की जा सके। हालांकि, यूक्रेन के बिना यूक्रेन के बारे में कोई फैसला नहीं लिया जा सकता है।

एक अधिकारी ने पिछले महीने बताया था कि तीसरा इंडस-एक्स शिखर सम्मेलन सितंबर 2024 में सिलिकॉन वैली में होगा, जिसमें रक्षा नवाचार के लिए निजी पूंजी का इस्तेमाल करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। शिखर सम्मेलन की सह-मेजबानी यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा की जाएगी। दोनों देशों ने पिछले कुछ वर्षों में कई रक्षा और सुरक्षा समझौते किए हैं, जिसमें 2016 में लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट भी शामिल है। उनकी सेनाओं को मरम्मत और आपूर्ति की पुनः पूर्ति के लिए एक-दूसरे के अड्डों का उपयोग करने की अनुमति देता है।

दक्षिण अटलांटिक में मछली पकड़ने वाली नाव डूबी

नई दिल्ली। दक्षिण अटलांटिक महासागर में मछली पकड़ने वाली नाव डूबने से छह लोगों की मौत हो गई और सात लोग लापता हो गए हैं। ब्रिटिश और स्पेनिश समुद्री अधिकारियों ने जानकारी देते हुए कहा कि फॉकलैंड द्वीप समूह के तट से लगभग 200 मील दूर नाव सवार 27 लोग मछली पकड़ने जा रहे थे, तभी यह हादसा हो गया। स्पेनिश अधिकारियों ने बताया कि अर्गोस जॉर्जिया नामक 176 फुट की जहाज अर्जेंटीना के पास दक्षिण अटलांटिक महासागर में डूब गई। जिसके बाद किसी तरह नाव से चौदह लोगों को बचाकर जीवनरक्षक नौका पर चढ़ाया गया। इसके अलावा दो अन्य नावों को भी बचा लिया गया। दक्षिणपूर्वी गैलिसिया में स्पेन के पोंटेवेद्रा प्रांत के अधिकारियों ने बताया कि चालक दल के 10 सदस्यों की पहचान स्पेन के लोगों के रूप में की गई है।

चौरासी साल में सबसे गर्म रहा जुलाई का यह दिन

नई दिल्ली। जलवायु परिवर्तन के भयानक परिणाम दिखने शुरू हो गए हैं। दुनियाभर में भीषण गर्मी, बाढ़, बेमौसम बरसात जैसी घटनाएं आम हो चुकी हैं। इस बीच वैश्विक स्तर पर तापमान के परिवर्तन पर नजर रखने वाली एजेंसी ने झुलसा देने वाली गर्मी को लेकर आंकड़े जारी किए। पिछले हफ्ते अमेरिका समेत यूरोपीय देशों में लू और गर्मी ने लोगों को परेशान कर दिया था।

ताजा आंकड़ों के अनुसार 21 जुलाई सभी रिकॉर्ड तोड़ते हुए दुनिया के इतिहास का अब तक का सबसे गर्म दिन बन गया है। इस दिन औसत तापमान पिछले 84 वर्षों के तुलना में अधिक दर्ज किया गया। लंदन स्थित यूरोपीय संघ की कोपरनिकस जलवायु परिवर्तन सेवा के अनुसार, पहली बार वैश्विक औसत सतही वायु तापमान 17.09 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। जिसने पिछले साल जुलाई के तापमान का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। पिछले साल 17.08 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया था।रिपोर्ट में कहा गया कि पिछले सप्ताह संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोप और रूस के बड़े हिस्से में भीषण गर्मी का प्रकोप देखा गया।

कॉपरनिकस का कहना है कि 21 जुलाई को इस बार दैनिक औसत तापमान का पुराना रिकॉर्ड टूट गया। रूस के उन इलाकों में भी लोगों के पसीने निकल रहे थे, जहां ठंड होती है। कोपरनिकस जलवायु परिवर्तन सेवा के अनुसार, रविवार को गर्मी ने अब तक के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। 1940 के बाद सबसे गर्म दिन 21 जुलाई था, जो पिछले साल की छह जुलाई के 17.08 डिग्री सेल्सियस के रिकॉर्ड को पार कर गया। पिछले साल की बात करें तो तीन से लेकर छह जुलाई तक रोजाना गर्मी के रिकॉर्ड टूटे थे। वैज्ञानिकों ने बताया था कि जीवाश्म ईंधन के कारण जलवायु परिवर्तन हो रहा है। के निदेशक कार्लो बुओंटेम्पो ने कहा कि पिछले 13 महीनों में तापमान और पिछले रिकॉर्ड के बीच का अंतर चौंका देने वाला है। जैसे-जैसे जलवायु गर्म होती जा रही है, हम आने वाले महीनों और वर्षों में नए रिकॉर्ड देखेंगे। दुनिया बड़े पैमाने पर जलवायु परिवर्तन के संकट को टालने के लिए विशेषज्ञों द्वारा निर्धारित 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा को पार करने के कगार पर खड़ी है।

जुलाई इस तय सीमा के करीब पहुंचने का लगातार 13वां महीना है। सी3एस के वैज्ञानिकों के मुताबिक, पिछले साल जून के बाद से हर महीना रिकॉर्ड पर सबसे गर्म महीना रहा है।कोपरनिक्स के अनुसार जून 2023 से लेकर लगातार 13 महीने की बात करें तो पर्यावरण में तेजी से बदलाव देखने को मिले हैं। उत्तरी गोलार्ध में गर्मी का प्रकोप अधिक देखने को मिला है। 21 जुलाई ग्रह पर सबसे गर्म दिन रहा है।

डेमोक्रेट कार्यकर्ताओं को ऊर्जा से भर दिया

वाशिंगटन। अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होना है। ऐसे में, रिपब्लिकन की ओर से डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेट्स की तरफसे कमला हैरिस मैदान में हैं। हालांकि, यह निश्चित नहीं है, लेकिन बहुत संभावना है कि भारतीय मूल की हैरिस डेमोक्रेटिक उम्मीदवार होंगी। इन सबके बीच, पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप की प्रचार टीम के गुप्त दस्तावेज सामने आए हैं।

दस्तावेजों में यह माना गया है कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के राष्ट्रपति अभियान ने डेमोक्रेट्स के कार्यकर्ताओं को ऊर्जा से भर दिया है। पिछले कुछ दिनों में जो कुछ हुआ है, उसे देखते हुए इसमें कोई संदेह नहीं है कि डेमोक्रेट कन्वेंशन से पहले ही उन्हें राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी मिल जाएगी।पूर्व राष्ट्रपति की प्रचार टीम के सर्वेक्षक टोनी फैब्रीजियो के गुप्त दस्तावेज में ट्रंप के कार्यकर्ताओं को आश्वस्त करने की कोशिश की गई है कि जैसे-जैसे चुनाव प्रचार अभियान जोर पकड़ेगा, चीजें रिपब्लिकन नेता डोनाल्ड ट्रंप के पक्ष में बदल जाएंगी। आगे कहा गया है, श्सार्वजनिक चुनाव थोड़े समय में बदल सकते हैं और हैरिस डेमोक्रेट का आधार थोड़ा और मजबूत कर सकती हैं, लेकिन वह यह नहीं बदल सकती कि वे कौन हैं या उन्होंने क्या किया है।श्गौरतलब है, रविवार को जो बाइडन ने एलान किया था कि वह राष्ट्रपति पद के चुनाव की दौड़ से बाहर हो रहे हैं। साथ ही उन्होंने भारतवंशी कमला हैरिस के नाम का समर्थन किया था। हैरिस ने 50 घंटे से भी कम समय में राष्ट्रपति अभियान के लिए 11 लाख से अधिक लोगों से 10 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि उनके पक्ष में भारी समर्थन है। वहीं, ट्रंप की टीम की चिंताएं बढ़ गई हैं। फैब्रीजियो ने कहा, श्आने वाले समय में हैरिस को लेकर मीडिया में काफी हद तक सकारात्मक खबरें होंगी।

इससे निश्चित रूप से कम समय में डेमोक्रेट्स को एक ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने कहा, श्इसका मतलब है कि हम सार्वजनिक सर्वेक्षण देखेंगे, जिसमें हैरिस राष्ट्रपति ट्रंप पर बढ़त बना रही हैं या उनसे आगे निकल रही हैं। जाहिर है, आज हम जिस स्थिति में हैं, वह पूरी तरह से अलग है। ऐसा पहले नहीं देखा गया है। मगर कुछ चीजें हैं जो नहीं बदली हैं।श् उन्होंने ट्रंप को दस्तावेज में बताया, हमारे बेहद सफल कन्वेंशन समेत पिछले दो सप्ताह से प्रचार चल रहा है।

न्यूनतम वेतन विधेयक बिल पारित किया

नाइजीरिया। देश में संघीय कर्मचारियों के लिए न्यूनमत वेतन को दोगुना करने के लिए विधेयक पारित हो गया है। राष्ट्रपति बोला अहमद टीनुबू द्वारा विधेयक पर अपनी सहमति देने के बाद मासिक न्यूनतम वेतन 30,000 से बढ़कर 70,000 नायरा कर दिया गया है। इसके साथ ही अधिकारियों ने जीवनयापन पर बढ़ती लागत को लेकर भी चेतावनी दी है।अफ्रीका के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश नाइजीरिया में हाल के महीनों में श्रमिकों ने कई हड़तालें की हैं। अधिकतर यूनियन लगातार वेतन वृद्धि का दबाव बना रहे थे। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने इस दक्षिण अमेरिकी देश में सांड़ों की लड़ाई पर प्रतिबंध वाले विधेयक पर हस्ताक्षर कर दिए हैं।

ट्रंप का दौर अश्वेत अमेरिकियों के लिए नरकः बाइडन

वाशिंगटन। अमेरिका में जैसे-जैसे राष्ट्रपति चुनाव का समय करीब आ रहा है, दोनों प्रतिद्वंद्वी खेमों-डेमोक्रेट और रिपब्लिकन के बीच जुबानी जंग बढ़ती जा रही है। नेवादा में एक सभा के दौरान डेमोक्रेट नेता और राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा, हमारी राजनीति हिंसा से जुड़ी है, इसका मतलब यह नहीं है कि हमें सच बोलना बंद कर देना चाहिए।

आप कौन हैं, आपने क्या किया है, आप क्या करेंगे, यह सब जायज सवाल हैं। बाइडन ने 33वें अमेरिकी राष्ट्रपति हैरी ट्रूमैन के एक कथन का जिक्र कर कहा, श्ट्रूमैन ने कहा था कि मैंने कभी किसी को नरक नहीं दिया। मैंने सिर्फसच बताया और उन्हें लगा कि यह नरक है। बकौल बाइडन, इस कथन में वो सच्चाई छिपी है जिससे साफ पता चलता है कि डोनाल्ड ट्रंप का राष्ट्रपति काल अश्वेत अमेरिकियों के लिए नरक क्यों था। अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने कहा, इस देश में किसी भी अन्य कारण की तुलना में ज्यादा बच्चे गोली लगने से मरते हैं, जो चौंकाने वाला है।

यह परेशान करने वाला है और अगर हम इसके बारे में कोई ठोस निर्णय नहीं लेते तो यह सरासर कायरता होगी। उन्होंने कहा, अगर आप अमेरिका में हिंसा के खिलाफ खड़े होना चाहते हैं, तो अमेरिका की सड़कों से युद्ध वाले इन हथियारों को हटाने में मेरा साथ दें। बकौल बाइडन अपने चार साल के कार्यकाल में डोनाल्ड ट्रंप ने लाखों अश्वेत अमेरिकियों को उनके स्वास्थ्य बीमा से बाहर निकालने के लिए ओबामाकेयर को निरस्त करने की कोशिश की थी। उन्होंने दो ट्रिलियन डॉलर की कर कटौती की। इसका सबसे ज्यादा फायदा सुपर-धनी, सबसे बड़ी कॉर्पोरेशन को हुआ। संघीय ऋण में इतना उछाल आया जिससे निपटना किसी भी राष्ट्रपति के एक कार्यकाल में संभव नहीं। यह राशि किसी भी राष्ट्रपति के पूरे कार्यकाल में लिए गए ऋण से ज्यादा हो गया।

इस्त्राइली हमलों में मारे गए 60 से ज्यादा फलस्तीनी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत में एक सैन्य छावनी पर आतंकी हमले में आठ सैनिकों की मौत हो गई। सेना ने जवाबी कार्रवाई में 10 आतंकियों के मारे जाने का दावा किया है। आतंकियों ने बन्नू छावनी को निशाना बनाया। एक अन्य घटना में डेरा इस्माइल खान जिले में आतंकियों ने स्वास्थ्य केंद्र पर हमला किया।

इसमें दो सुरक्षाकर्मियों सहित सात लोग मारे गए। मध्य गाजा पट्टी में मंगलवार को इस्त्राइली हमलों में महिलाओं और बच्चों सहित 24 लोग मारे गए। नुसीरात और जवैदा में 10 महिलाएं और चार बच्चे मारे गए हैं। खान यूनिस पर एक कार पर इस्त्राइली हवाई?हमले में 17 की मौत हुई जबकि 26 घायल हो गए।

गत वर्ष 7 अक्तूबर के बाद से हुए इस्त्राइली हमलों में अब तक 38,600 मौतें हो चुकी हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत के उप स्थायी प्रतिनिधि आर रवींद्र ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में खुली बहस में भारत का पक्ष रखा। उन्होंने कहा, भले ही हम एक और विश्व युद्ध रोकने में सफ्ल रहें, लेकिन ऐसा करना जटिल वैश्विक चुनौतियों का माकूल जवाब देने में संयुक्त राष्ट्र की अक्षमता की असलियत को नहीं छिपा सकता।

राजदूत रवींद्र ने आतंकवाद, महामारी, जलवायु परिवर्तन, उभरती प्रौद्योगिकियों से पैदा होने वाले खतरों, साइबर हमलों और राज्य विरोधी तत्वों की विघटनकारी भूमिका को बेहद जटिल चुनौती करार दिया। राजदूत रवींद्र ने कहा, हम संयुक्त राष्ट्र के मंच पर बहुध्रुवीयता के बारे में बात कर रहे हैं।

चुनाव स्वतंत्रता और अराजकता के बीच का है एक विकल्प

अमेरिका। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को चुनौती देने के लिए अपनी डेमोक्रेट पार्टी के डेलीगेट का समर्थन जुटाने के लिए मंगलवार को अपनी पहली रैली के लिए विस्कॉन्सिन पहुंचीं। इस दौरान मतदाताओं की भारी भीड़ ने हैरिस का जोरदार स्वागत किया। हैरिस ने मतदाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि 2024 का राष्ट्रपति चुनाव स्वतंत्रता और अराजकता के बीच विकल्प होगा। हैरिस ने कहा, इस अभियान में, मैं आपसे वादा करती हूं कि मैं अपना रिकॉर्ड सप्ताह के किसी भी दिन उनके के खिलाफ रखूंगी।

राष्ट्रपति पद की दौड़ से हटने के बाद बाइडन राष्ट्र को संबोधित करेंगे

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन राष्ट्रपति पद की दौड़ से हटने के बाद बुधवार को राष्ट्र को संबोधित करेंगे। अपने संबोधन में बाइडन अपने देशवासियों को अपने फैसले के बारे में बताएंगे और नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपनी डिप्टी कमला हैरिस का समर्थन करेंगे।

बिडेन ने मंगलवार को कहा, कल शाम 8 बजे मैं ओवल ऑफिस से राष्ट्र को संबोधित करूंगा कि आगे क्या होने वाला है, तथा मैं अमेरिकी लोगों के लिए काम कैसे पूरा करूंगा।श् यह इस महीने दूसरी बार होगा जब बिडेन राष्ट्र को संबोधित करेंगे। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार ट्रम्प पर हत्या की असफल कोशिश के एक दिन बाद 14 जुलाई को देश को संबोधित किया था। कोरोना संक्रमित पाए जाने के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन पहली बार बुधवार को सार्वजनिक तौर पर दिखाई दिए। जो बाइडन की अनुपस्थिति को लेकर सोशल मीडिया पर अफ्वाहों का दौर चल रहा था। दरअसल कोरोना संक्रमण के चलते आइसोलेशन में रहने के दौरान ही बाइडन ने राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी से हटने का एलान किया था। यही वजह है कि बाइडन की अनुपस्थिति को लेकर अफ्वाहों का दौर शुरू हो गया था। सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों में कहा जा रहा था कि 81 वर्षीय जो बाइडन की सेहत लगातार खराब हो रही है। कुछ लोगों ने यहां तक दावा कर दिया कि बाइडन की हालत इतनी गंभीर है कि उनका बचना अब मुश्किल है। सोशल मीडिया पर जो कहां हैं ट्रेंड भी करने लगा था। हालांकि अब सार्वजनिक तौर पर बाइडन के दिखाई देने पर इन सभी अफ्वाहों पर रोक लग गई है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक अजरा परवीन द्वारा वेदवीर प्रिन्टर्स, विद्यापीठ पुरम् सिविल लाइन, बदायूं से मुद्रित एवं कार्यालय अमर भास्कर निकट रीजेन्सी होटल लावेला चौक, बदायूं (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादकः अबरार अहमद** (इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन हेतु पी.आर.बी. की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी)। समस्त विवाद बदायूं न्यायालय के अधीन होगें। मोबाइल नं. 9411214614, ई-मेलः amarbhashkar21@gmail.com, RNI No.:- UPHIN/2021/82941